• जयपुर, रविवार 9 अगस्त 26 • वर्ष 15 • अंक 282 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.in | Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25
राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

RNI. No. RAJHIN/2011/40950
सच के साथ मजबूती से बढ़ाये कदम

सुविचार
''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''
● स्वामी विवेकानंद

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000
अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, ब्यावर, जालोर, करौली, नागौर बीकानेर से प्रसारित

मुख्यमंत्री ने किया खेल प्रतिभाओं का सम्मान

अरुंधति चौधरी को एक करोड़ रुपये ,यशवीर सिंह को 30 लाख रुपये की राशि

प्रदेश के 3540 खिलाड़ियों को उपलब्ध कराई लगभग 52 करोड़ की प्रोत्साहन एवं सहायता राशि

राजस्थान के पदक विजेता खिलाड़ी हमारा गौरव

प्रतिभाओं की खोज के लिए खेलो राजस्थान यूथ गेम्स का होगा आयोजन : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

चमकता राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अरुंधति चौधरी, यशवीर सिंह, राहुल शर्मा, मोना अग्रवाल और संध्या विश्नोई प्रदेश के गौरव हैं तथा इनसे युवाओं को प्रेरणा लेनी चाहिए। इन प्रतिभावान खिलाड़ियों के प्रशिक्षकों, परिजनों और सहयोगियों के त्याग और समर्पण ने इनकी सफलताओं की नींव रखी है।

मुख्यमंत्री शनिवार को कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के पदक विजेता खिलाड़ियों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अरुंधति चौधरी ने राष्ट्रमंडल खेलों में मुक्केबाजी में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा है। यशवीर सिंह ने भाला फेंक स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर यह सिद्ध कर दिया कि प्रतिभा अपना स्थान बना लेती है।

उन्होंने कहा कि शूटिंग पैरा वर्ल्ड कप में राहुल शर्मा ने स्वर्ण पदक, मोना अग्रवाल ने कांस्य पदक, संध्या विश्नोई ने अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर अपनी प्रतिभा और सामर्थ्य का शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि इन सभी ने परिश्रम, अनुशासन और समर्पण से भारत का तिरंगा विश्व मंच पर लहराया है तथा राजस्थान का नाम भी गौरव के साथ स्थापित किया है।

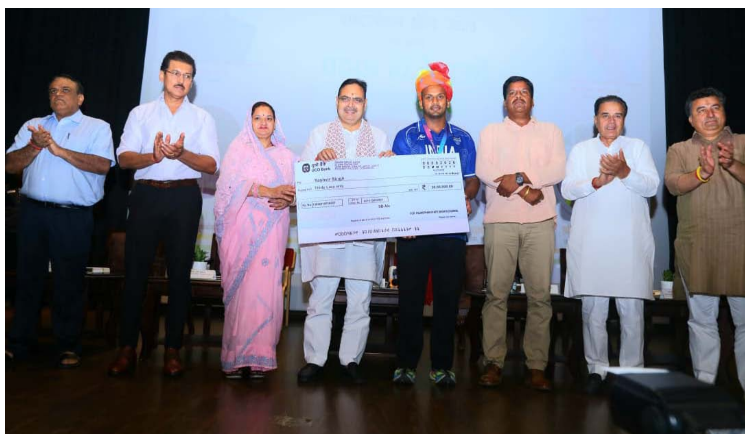

● खिलाड़ियों के लिए स्पोर्ट्स लाइफ इंश्योरेंस स्कीम, 50 खेलो इंडिया केन्द्र भी स्थापित

मुख्यमंत्री ने कहा कि पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक में भी राजस्थान के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया। राज्य सरकार खिलाड़ियों की सुरक्षा के प्रति संवेदनशील है। इसी उद्देश्य से स्पोर्ट्स लाइफ इंश्योरेंस स्कीम लागू की गई है। उन्होंने कहा कि खेल उपकरणों की खरीद पर लगभग 18 करोड़ रुपये व्यय किए गए हैं। वहीं, 50 खेलो इंडिया केन्द्र स्थापित कर खिलाड़ियों को नियमित प्रशिक्षण, खेल सामग्री और प्रशिक्षकों की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

● प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश खेलों के क्षेत्र में बढ़ रहा आगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत खेलों के क्षेत्र में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने खेलों को केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम माना है। वर्तमान में भारत विश्व को यह संदेश दे रहा है कि वह सिर्फ आर्थिक प्रगति नहीं कर रहा, बल्कि खेल, विज्ञान और तकनीक जैसे क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

● खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 का किया सफल आयोजन

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को सरकारी सेवाओं में प्राथमिकता दी जा रही है। अब तक 186 खिलाड़ियों को नियुक्तियां प्रदान की गई हैं। प्रदेश में पहली बार खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 का सफल आयोजन भी किया गया। सात शहरों में आयोजित इन गेम्स में 222 विश्वविद्यालयों के लगभग 7 हजार खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रदेश के खिलाड़ियों ने इन गेम्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 60 पदक जीतकर देश में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

● जयपुर में बन रहा महाराणा प्रताप खेलकूद विश्वविद्यालय

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में खेलों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। जयपुर में लगभग 101 करोड़ रुपये की लागत से महाराणा प्रताप खेलकूद विश्वविद्यालय की स्थापना की जा रही है। राज्य सरकार ने खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन के लिए रिकॉर्ड स्तर पर आर्थिक सहयोग भी दिया है। अब तक 3 हजार 540 खिलाड़ियों को लगभग 52 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन एवं सहायता राशि स्वीकृत की जा चुकी है।

● खेलो इंडिया से स्पोर्ट्स को मिलेगी नई दिशा

उन्होंने कहा कि देश में खेलों का मजबूत वातावरण बना है, गांव-गांव से प्रतिभा की पहचान हो रही है और उसे विश्वस्तरीय मंच तक पहुंचाने की मजबूत व्यवस्था तैयार की गई है। केन्द्र सरकार द्वारा 36 हजार करोड़ रुपये के खेलो इंडिया से खेलो को नई दिशा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण, उपकरण, चिकित्सा सुविधा और आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई जा रही है।

● एसएमएस स्टेडियम में एथलेटिक्स, तीरंदाजी और बॉक्सिग के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

उन्होंने कहा कि सवाई मानसिंह स्टेडियम में एथलेटिक्स, तीरंदाजी और बॉक्सिग के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भी स्थापित किया जा रहा है। राजस्थान युवा नीति-2026 के माध्यम से युवाओं के लिए शिक्षा, कौशल, खेल और नेतृत्व विकास के नए अवसर सृजित किए गए हैं। एक जिला-एक खेल के माध्यम से प्रत्येक जिले में एक खेल को प्रोत्साहित किया जा रहा है। साथ ही, ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन कर पदक लाने के लिए राजस्थान टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम शुरू की गई है। इसी प्रकार पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए खेलो राजस्थान यूथ गेम्स का भी आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के इन प्रयासों के परिणामस्वरूप आने वाले वर्षों में राजस्थान केवल राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय खेल जगत में भी अग्रणी राज्य के रूप में अपनी नई पहचान स्थापित करेगा। हमारे खिलाड़ी ओलंपिक, एशियाई खेलों और विश्व प्रतियोगिताओं में भारत का तिरंगा लहराएंगे। मुख्यमंत्री ने इससे पहले पदक विजेता खिलाड़ी अरुंधति चौधरी, यशवीर सिंह, राहुल शर्मा, मोना अग्रवाल और संध्या विश्नोई से उनकी तैयारियों एवं अनुभव पर बातचीत की। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने अरुंधति चौधरी को प्रशस्ति पत्र एवं एक करोड़ रुपये का चेक, यशवीर सिंह को प्रशस्ति पत्र एवं 30 लाख रुपये का चेक, मोना अग्रवाल, राहुल शर्मा तथा संध्या विश्नोई को भी प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान राशि के चेक सौंपकर सम्मानित किया। युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि मेहनत और अनुशासन से अभ्यास करने वाला खिलाड़ी अपने से अधिक प्रतिभावान खिलाड़ी को पराजित कर सकता है। एक खिलाड़ी की जीत में परिवार, कोच और खेल संघों का अहम योगदान होता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार करने एवं प्रतिभाएं खोजने के लिए खेलो इंडिया गेम्स शुरू किए गए। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में प्रदेश में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का भी सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री के. के. विश्नाई, अतिरिक्त मुख्य सचिव युवा मामले एवं खेल विभाग प्रवीण गुप्ता सहित राष्ट्रमंडल खेल 2026 के पदक विजेता खिलाड़ी, कोच, परिजन एवं बड़ी संख्या में युवा खिलाड़ी उपस्थित रहे।

न्यूज़ अपडेट

असम में बाढ़ से बिगड़े हालात: 13 जिलों के 1.5 लाख लोग प्रभावित; मृतकों की संख्या 98 तक पहुंची

गुवाहाटी/एजेंसी। असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है, जहां 13 जिलों में 15 लाख से अधिक लोग अभी भी बाढ़ के प्रभाव से जूझ रहे हैं, जबकि इस साल की बाढ़ में मरने वालों की कुल संख्या बढ×कर 98 हो गई है।

असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार, वर्तमान में 13 जिलों के 33 राजस्व सर्किलों में फैले 464 गांवों में 1,55,849 लोग प्रभावित हैं।

शिवसागर सबसे अधिक प्रभावित जिला रहा, जहां 48,286 लोग प्रभावित हुए, उसके बाद गोलाघाट में 58,750, जोरहाट में 25,259, चराइदेव में 12,779, नागांव में 5,424, दरांग में 3,367 और धेमाजी में 1,265 लोग प्रभावित हुए। राज्य भर में 10,748.64 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले फसल के खेत अभी भी जलमग्न हैं।

बेंगलुरु में घर में मिला महिला का कंकाल, पुलिस को शक- एक साल पहले हुई थी मौत

बेंगलुरु/एजेंसी। बेंगलुरु से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां के बागलगुंटे इलाके में एक डुप्लेक्स घर के अंदर से महिला का कंकाल मिला है। पुलिस का मानना है कि इस महिला की मौत एक साल पहले ही हो गई थी और शव घर में पड़ा-पड़ा कंकाल में बदल गया। महिला की पहचान 52 साल की दाक्षायिनी के तौर पर हुई है। वो बगलगुंटे इलाके के हवनूर लेआउट में अकेली रहती थीं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, दाक्षायिनी पति और बेटे की मौत के बाद तनाव से जूझ रही थीं। उनके पति उमेश की करीब 10 साल पहले मौत हो गई थी, जबकि बाद में कैंसर से उनके बेटे की भी मौत हो गई।

आईआईटी दिल्ली का 57वां दीक्षांत समारोह :

पीएम मोदी बोले-जिंदगी की परीक्षा में सब कुछ आउट ऑफ सिलेबस होता है

नई दिल्ली/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आईआईटी दिल्ली के सोनीपत कैंपस में स्थापित एआई-पावर्ड हाई-परफॉर्मेंस सुपरकंप्यूटिंग सुविधा परम प्रज्ञा का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ...हर पीढ़ी का अपना एक राष्ट्रीय

दायित्व भी होता है। हमारे देश ने गुलामी का वो समय भी देखा है जब उस पीढ़ी के सामने केवल एक ही लक्ष्य था, भारत की आजादी। उसके लिए उन्होंने लंबा संघर्ष किया। आज हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं, इसके पीछे उस पीढ़ी का तप, त्याग और बलिदान है। आज के इस दौर में हमारे सामने चुनौतियां भी अलग हैं, इसलिए हमारे दायित्व भी अलग हैं। अपने जीवन के अगले 30-35 साल में आप जो कुछ भी करेंगे वो विकसित भारत की हमारी यात्रा को प्रभावित करेगा। इसलिए आपके हर निर्णय का आधार ये भी होना चाहिए कि इससे देश को क्या फायदा पहुंचेगा, इससे देश की कौन सी जरूरत पूरी होगी... प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ...कैंपस का जीवन और कैंपस के बाहर का जीवन, इन दोनों में बहुत बड़ा अंतर होता है।

मौसम विभाग ने जारी किया भारी बारिश का अलर्ट, दिल्ली का हाल बेहाल

नई दिल्ली/एजेंसी।

अगस्त का महीना भले ही अपने पहले हफ्ते को पार कर चुका है, लेकिन मानसूनी आफत अभी भी देश का पीछा छोडने् को तैयार नहीं है। शुक्रवार को देश की राजधानी दिल्ली को पूरी तरह से जलमग्न करने के बाद, अब भारत मौसम विज्ञान विभाग ने शनिवार के लिए देश के कई हिस्सों में भयंकर बारिश, आंधी-तूफान और आसमानी बिजली गिरने की कड़ी चेतावनी जारी कर दी है। उत्तर से लेकर दक्षिण और पूरब से लेकर पश्चिम तक, मौसम का मिजाज बेहद खतरनाक बना हुआ है। ऐसे में अगर आप भी वीकेंड पर घर से बाहर

निकलने की योजना बना रहे हैं, तो पहले जान लें कि आपके इलाके का मौसम कैसा रहने वाला है।

मौसम विभाग के ताजा अनुमान के मुताबिक, उत्तर भारत के पहाड़ी और मैदानी इलाकों में आज झमाझम बारिश होने वाली है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पहाड़ों पर मध्यम से भारी बारिश का अलर्ट है, जबकि शनिवार को हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में भी काले बादल जमकर बरस सकते हैं।

दिल्ली में भारी बारिश का कहर, नाले में बह गया युवक, तलाश जारी

नई दिल्ली/एजेंसी। दिल्ली के सरिता विहार थाना इलाके के प्रियंका कैंप में एक दुखद घटना सामने आई है, जहां एक युवक नाले में बह गया. वही इस घटना की सूचना मिलते ही युवक के परिजन मौके पर पहुंचे. युवक की तलाश शुरू कर दी गई है. इसके बाद जब उसका पता नहीं चला तो तुरंत इसकी सूचना दिल्ली पुलिस को दी गई, जिसके बाद मौके पर पहुंचे दिल्ली पुलिस और गोताखोरों की टीम ने युवक की तलाश शुरू कर दी लेकिन अभी तक युवक का कहीं पता नहीं चल पाया है. फिलहाल गोताखोरों की टीम के द्वारा युवक की तलाश की जा रही है.

बांग्लादेश में डेंगू का प्रकोप बढ़ा, अब तक 59 लोगों की मौत, 18,000 के करीब पहुंचे मामले

ढाका/एजेंसी।

बांग्लादेश में डेंगू के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं. अब तक 59 लोगों की मौत हो गई है जबकि इस साल अब तक 17,880 मामले सामने आए हैं.

सूत्रों ने स्वास्थ्य महानिदेशालय यानी डायरेक्टरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज (डीजीएचएस) के हवाले से इसकी जानकारी दी.

डीजीएचएस के अनुसार, ढाका डिवीजन इससे सबसे ज्यादा पीड़ित क्षेत्र है. कुल 6,871 दर्ज मामले रिपोर्ट हुए जिसमें से 4,404 मामले तो शहर के ही थे. 3,647 केस के साथ, बारिशाल डिवीजन दूसरे

नंबर पर रहा, इसके बाद चटगांव में 3,082 और खुलना में 2,272 केस दर्ज किए गए. ढाका डिवीजन में मृतकों की संख्या भी सबसे अधिक है. सूची में ये सबसे ऊपर है, कुल 26 में से 25 ढाका में हुईं. रिपोर्ट के मुताबिक, खुलना में 12 लोगों की मौत हुई, इसके बाद चटगांव और मैमनसिंह में क्रमशः सात और छह लोगों ने बीमारी से जान गंवाई. डेंगू, मच्छर से होने वाली वायरल बीमारी है, जो बांग्लादेश में एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या का रूप लेती जा रही है. यह मुख्य रूप से एडीज एजिप्टी मच्छर के काटने से फैलने वाली बीमारी है.

सुभाषितम्

गलती किए बिना कुछ नया नहीं सीखा जा सकता।

-अल्बर्ट आइंस्टीन

आदिवासी अस्मिता और विकास की वर्तमान राजनीति

मूलनिवासियों के अधिकारों की रक्षा, उनके संरक्षण और उनके योगदान के सम्मान के लिए समर्पित है। विश्वभर के मूलनिवासियों के मानवाधिकारों की रक्षा करना और उनकी अनूठी सांस्कृतिक पहचान तथा पर्यावरण संरक्षण में उनके योगदान को मान्यता देना है।भारत की कुल आबादी में लगभग 8.6 प्रतिशत आदिवासी हैं, लेकिन विकास परियोजनाओं और वनों के दोहन के कारण हो रहे विस्थापन में उनका अनुपात लगभग 40 प्रतिशत तक है। विकास परियोजनाओं, खनन, बांध, परमाणु परियोजनाओं, औद्योगिक कॉरिडोर और वन संरक्षण के नाम पर सबसे अधिक विस्थापन का बोझ इन्हीं समुदायों ने उठाया है। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र और पूर्वोत्तर राज्यों के आदिवासी आज भी जल, जंगल और जमीन पर अपने संवैधानिक अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। जल, जंगल और जमीन से बेदखल होकर ये समुदाय शहरों और बाहरी इलाकों में सस्ते मजदूर बनने को मजबूर हो जाते हैं। अपने देवस्थलों, पैतृक जमीनों और समुदाय से दूर होने के बाद वे अपनी पारंपरिक पहचान खोने लगते हैं। विस्थापितों के बच्चे अक्सर शिक्षा से वंचित हो जाते हैं। नई जगहों पर कुपोषण, आधारभूत स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव और संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।सरकारी मुआवजा अक्सर नाकाफी होता है और सही पुनर्वास के अभाव में विस्थापित परिवार शरणार्थी जैसा जीवन जीने को विवश हैं।

आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल, पोषण और संचार जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी आज भी गंभीर चुनौती बनी हुई है। कुपोषण, मातृ एवं शिशु मृत्यु दर, मलेरिया, सिकल सेल एनीमिया तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अभाव आदिवासी समाज के विकास में बड़ी बाधाएं हैं। युवाओं में बेरोजगारी और पलायन लगातार बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश में विस्थापन की मार झेल रहे आदिवासियों की आर्थिक और सामाजिक स्थिति अत्यंत चिंताजनक और हाशिए पर है। राज्य की कुल आबादी का लगभग 21.1 प्रतिशत आदिवासी है, जो देश में सबसे अधिक है, लेकिन सिंचाई परियोजनाओं (जैसे नर्मदा घाटी परियोजनाएं), खनन और वन्यजीव अभ्यारण्यों के कारण इन्हें बार-बार विस्थापन का दंश झेलना पड़ता है। विस्थापन के कारण आदिवासियों का जंगलों और कृषि से सदियों पुराना नाता टूट जाता है। इमारती लकड़ी, औषधीय पौधे और लघु वनोपज से मिलने वाला रोजगार समाप्त हो जाता है।वन क्षेत्रों और कृषि भूमि के छिनने के बाद मिलने वाला मौद्रिक मुआवजा अक्सर अपर्याप्त होता है। पैसे के सही प्रबंधन और आधुनिक अर्थव्यवस्था की जानकारी न होने से वे पीढ़ियों तक गरीबी चक्र में फंसे रहते हैं। जंगलों और प्रकृति के नजदीक रहने वाले यह आदिवासी विकास होने पर अपनी जगह से खदेड़ दिये जाते हैं, जो किसी भी गांव या शहरों के जनजीवन से सामंजस्य मिला पाने में पूरी तरह विफल रहते हैं। क्योंकि इनकी अपनी जीवनशैली है, खान-पान और रहने का एक अलग सलीका है। अपने जगह से उजड़ने के बाद वनों में उपलब्ध विविधतापूर्ण प्राकृतिक भोजन की जगह शहरों के कम पोषक तत्वों वाली आहार ने ले ली है। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, मध्यप्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लगभग 58.58 प्रतिशत आदिवासी परिवार गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। आदिवासी समाज को आम तौर पर आर्थिक रूप से कमजोर माना जाता है, लेकिन उस प्रक्रिया का कोई अध्ययन ही नहीं होता जिसके परिणामस्वरूप उसे गरीबी के अंधेरे में धकेला गया। उनके आर्थिक पिछड़ेपन के अध्ययनों ने उनकी अर्थव्यवस्था और स्वायत्तता को समझने का कोई प्रयास ही नहीं किया। आदिवासियों की अपनी जीवन-शैली, दर्शन, इतिहास, भाषा, साहित्य और चिंतन है, इस पर कोई गौर ही नहीं किया गया। इसी नासमझी के परिणामस्वरूप आदिवासियों को कथित मुख्यधारा में जोड़ने की अवधारणा विकसित हुई। आज सभी आदिवासियों का विकास करना चाहते हैं, लेकिन कोई उनसे नहीं पूछता कि क्या वे विकास की इस अंधी दौड़ में शामिल होना भी चाहते हैं या नहीं। यूं तो विकास प्रकृति का स्वाभाविक नियम है, लेकिन यहां हम विकास के पीछे छिपी पूंजीवादी ताकतों के एजेंडे की बात कर रहे हैं। पूंजीवादी प्रणाली में उत्पादन और वितरण सामाजिक समानता, न्याय और पर्यावरण की सुरक्षा की बजाय निजी मुनाफे से संचालित होती है। प्राकृतिक संसाधनों के दोहन और विनाश पर अधारित विकास के कारण उन समुदायों को विस्थापित होना पड़ता है जो इन संसाधनों पर निर्भर हैं।

विश्व आदिवासी दिवस पर अक्सर आदिवासी नृत्य, वेशभूषा और संस्कृति का प्रदर्शन तो होता है, लेकिन उनके भूमि अधिकार, विस्थापन, आजीविका, प्राकृतिक संसाधनों पर स्वामित्व, पर्यावरणीय न्याय और संवैधानिक अधिकारों जैसे मूल प्रश्न सार्वजनिक विमर्श से गायब रहते हैं। इसलिए विश्व आदिवासी दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि आत्ममंथन और जवाबदेही का दिन होना चाहिए। जब तक विकास की नीतियों में आदिवासी समुदायों की भागीदारी, सहमति और अधिकारों को केंद्र में नहीं रखा जाएगा, तब तक विश्व आदिवासी दिवस का उद्देश्य अधूरा ही रहेगा।

- राज कुमार सिन्हा

एक रिपोर्ट जो बताती है, कैसे भारत पर्यटन को नई गति दे रहा!

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत अब पर्यटन को आर्थिक विकास, सांस्कृतिक संरक्षण, रोजगार सृजन और विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के प्रमुख इंजन के रूप में स्थापित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी सोच को मजबूती देते हुए नीति आयोग और केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय की पिछले दिनों एक रिपोर्ट 'पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र में विकास की संभावनाओं को खोलने' विषय पर जारी हुई है। संयोग से यह रिपोर्ट ऐसे समय आई है, जब भारत वैश्विक पर्यटन अर्थव्यवस्था में लगातार अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। उक्त रिपोर्ट इस क्षेत्र में आशा के द्वार खोलती है।

दरअसल, इस रिपोर्ट में पर्यटन क्षेत्र में वर्षों से चली आ रही जटिल नियामकीय प्रक्रियाओं को सरल बनाने, निवेश को बढ़ावा देने, विश्वस्तरीय पर्यटन अवसंरचना विकसित करने तथा स्थानीय समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए व्यापक सुझाव दिए गए हैं। विश्व यात्रा एवं पर्यटन परिषद (WTTC) के अनुसार भारत वैश्विक पर्यटन अर्थव्यवस्थाओं में आठवें स्थान पर पहुंच चुका है और अगले दशक में शीर्ष चार देशों में शामिल होने की क्षमता रखता है।

प्रधानमंत्री का विजन : 'देखो अपना देश' से 'विकसित भारत' तक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार पर्यटन को देश की आर्थिक शक्ति और सांस्कृतिक एकता का सबसे प्रभावी माध्यम बताते रहे हैं। उनका मानना है कि भारत का प्रत्येक जिला अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक, प्राकृतिक अथवा ऐतिहासिक पहचान के कारण पर्यटन की अपार संभावनाएं रखता है। प्रधानमंत्री ने कई अवसरों पर देशवासियों से वर्ष में कम-से-कम कुछ नए स्थलों की यात्रा करने का आह्वान किया है, ताकि स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा मिले। उनके अनुसार पर्यटन ऐसा क्षेत्र है, जिसमें सबसे अधिक रोजगार सृजित करने की क्षमता है। एक पर्यटक केवल होटल में ठहरता ही नहीं बल्कि परिवहन, हस्तशिल्प, स्थानीय बाजार, लोक कलाकारों, किसानों और छोटे व्यापारियों तक आर्थिक गतिविधियों का विस्तार करता है।

पर्यटन बनेगा आर्थिक विकास का नया इंजन

इस संबंध में केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का कहना है, 'पर्यटन क्षेत्र भारत की विकास यात्रा में परिवर्तनकारी भूमिका निभा रहा है। इसके लिए निवेशकों को सरल और पारदर्शी व्यवस्था उपलब्ध कराना आवश्यक है। आनेवाले समय में गुणवत्तापूर्ण होटल, बेहतर आवास क्षमता, आधुनिक पर्यटन सुविधाएं और आसान अनुमोदन प्रक्रिया भारत को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगी।आज हम इसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।' इसके साथ ही इस विषय पर नीति आयोग के सदस्य राजीव गौबा ने भी स्पष्ट किया, 'निवेश वहीं आता है जहां नीतिगत स्पष्टता और समयबद्ध अनुमोदन उपलब्ध हो। यदि पर्यटन परियोजनाओं के लिए अनुमति प्रक्रिया सरल होगी तो निजी निवेश तेजी से बढ़ेगा और उसका लाभ दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचेगा।'

सरल नियमों से बढ़ेगा निवेश

रिपोर्ट का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष पर्यटन क्षेत्र में नियामकीय सुधारों पर केंद्रित है। वर्तमान में होटल, रिसॉर्ट, वेलनेस सेंटर या पर्यटन परियोजनाओं के लिए विभिन्न विभागों से अलग-अलग अनुमति लेनी पड़ती है, जिससे परियोजनाएं वर्षों तक लंबित रहती हैं। रिपोर्ट में सिंगल विंडो क्लीयरेंस, ऑनलाइन अनुमोदन, समयबद्ध स्वीकृति, विभागों के बेहतर समन्वय तथा अनुपालन प्रक्रियाओं को सरल बनाने की अनुशंसा की गई है। इससे परियोजनाओं की लागत घटेगी, निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा और पर्यटन क्षेत्र में निजी निवेश को नई गति मिलेगी।

आंकड़े बता रहे पर्यटन की बढ़ती ताकत

भारत का पर्यटन क्षेत्र आज देश की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार बन चुका है। वर्ष 2025-26 के दौरान भारत में लगभग 9.02 मिलियन (90.2 लाख) विदेशी पर्यटक (FTAs) आए थे। इसके बाद, 2026 की शुरूआत (जनवरी-अप्रैल) में भारत में लगभग 10 लाख से 5.34 लाख मासिक विदेशी पर्यटक दर्ज किए गए हैं, जबकि इससे पहले वर्ष 2024 में भारत में लगभग 2.06 करोड़ अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों का आगमन दर्ज किया गया, तब विदेशी पर्यटकों से 35 अरब डॉलर से अधिक विदेशी मुद्रा अर्जित हुई। इस तरह यदि देखें तो पर्यटन उद्योग का देश की जीडीपी में योगदान लगभग 231.6 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच चुका है। रोजगार के क्षेत्र में भी यह उद्योग बड़ी भूमिका निभा रहा है। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 8.4 करोड़ से अधिक लोगों की आजीविका पर्यटन क्षेत्र से जुड़ी हुई है, जो देश के कुल रोजगार का लगभग 13 प्रतिशत हिस्सा है। घरेलू पर्यटन भी अभूतपूर्व गति से बढ़ा है। देश में एक वर्ष के दौरान 290 करोड़ से अधिक घरेलू पर्यटन यात्राएं दर्ज की गईं। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था, छोटे व्यवसायों और ग्रामीण क्षेत्रों में आय के नए अवसर विकसित हुए हैं।

बदलता बुनियादी ढांचा बना सबसे बड़ी ताकत

पिछले एक दशक में सड़क, रेल और हवाई संपर्क में हुए व्यापक सुधारों ने पर्यटन क्षेत्र को नई ऊर्जा प्रदान की है। उड़ान योजना के माध्यम से नए हवाई अड्डों और क्षेत्रीय हवाई सेवाओं का विस्तार हुआ है। वंदे भारत एक्सप्रेस, आधुनिक रेलवे स्टेशन, एक्सप्रेस-वे तथा राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तार से अनेक पर्यटन स्थलों तक पहुंच पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान हो गई है। वहीं, डिजिटल भुगतान प्रणाली यूपीआई, ऑनलाइन टिकटिंग तथा ई-वीजा जैसी सुविधाओं ने विदेशी पर्यटकों के लिए भी भारत यात्रा को अधिक सहज बनाया है।

स्वदेश दर्शन और प्रसाद योजनाओं से बदली तस्वीर

केंद्र सरकार की स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत देशभर में विभिन्न थीम आधारित पर्यटन सर्किट विकसित किए जा रहे हैं। दूसरे चरण में टिकाऊ और गंतव्य आधारित पर्यटन विकास पर विशेष जोर दिया जा रहा है। दूसरी ओर प्रसाद (PRASHAD) योजना के माध्यम से काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक, अयोध्या, केदारनाथ, सोमनाथ और अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों पर आधुनिक सुविधाओं का विकास किया गया है। इससे आध्यात्मिक पर्यटन को नई पहचान मिली है और देश-विदेश से श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

ग्रामीण और होमस्टे पर्यटन को मिलेगा नया विस्तार

रिपोर्ट में बड़े होटलों के साथ-साथ होमस्टे, ग्रामीण पर्यटन, स्थानीय हस्तशिल्प और सामुदायिक भागीदारी को विशेष महत्व दिया गया है। होमस्टे मॉडल के माध्यम से पर्यटक स्थानीय संस्कृति, खान-पान और परंपराओं से सीधे जुड़ते हैं। इससे ग्रामीण परिवारों, महिलाओं और युवाओं की आय बढ़ती है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, केरल, सिक्किम और पूर्वोत्तर राज्यों में होमस्टे मॉडल की सफलता के बाद अब इसे देशभर में विस्तार देने की योजना है।

मेडिकल, वेलनेस और इको-टूरिज्म की बढ़ती संभावनाएं

भारत अब केवल ऐतिहासिक और धार्मिक पर्यटन तक सीमित नहीं है। योग, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के कारण मेडिकल एवं वेलनेस पर्यटन तेजी से विकसित हो रहा है। इसी प्रकार इको-टूरिज्म, एडवेंचर टूरिज्म, वन्यजीव पर्यटन, क्रूज टूरिज्म और एस्ट्रो-टूरिज्म जैसे नए क्षेत्रों में भी भारत वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। सरकार की 'ट्रैवल फॉर लाइफ' पहल पर्यावरण अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

विश्व पर्यटन महाशक्ति बनने की दिशा में मजबूत कदम

उल्लेखनीय है कि भारत के पास हिमालय, समुद्र तट, रेगिस्तान, जैव विविधता, आध्यात्मिक परंपराएं, विश्व धरोहर स्थल, योग, आयुर्वेद और हजारों वर्षों की सांस्कृतिक विरासत जैसी अनूठी संपदा है। आवश्यकता केवल इन्हें विश्वस्तरीय सुविधाओं, आधुनिक अवसंरचना और प्रभावी विपणन से जोड़ने की है। नीति आयोग और पर्यटन मंत्रालय की यह नई रिपोर्ट इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण रोडमैप प्रस्तुत करती है। यदि इसकी सिफारिशों को समयबद्ध ढंग से लागू किया जाता है, तो पर्यटन न केवल विदेशी मुद्रा अर्जन और रोजगार का सबसे बड़ा स्रोत बनेगा, बल्कि विकसित भारत-2047 की परिकल्पना को साकार करने में भी निर्णायक भूमिका निभाएगा।

9 अगस्त : काकोरी कांड और भारत छोड़ो आंदोलन

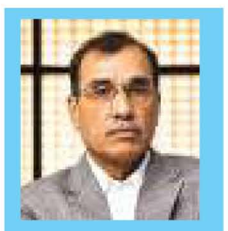

रमेश शर्मा

भारत के स्वाधीनता आंदोलन में 9 अगस्त वह ऐतिहासिक तिथि है, जब स्वतंत्रता के लिए निर्णायक संघर्ष का उद्घोष हुआ था। इसलिए इसे अगस्त क्रांति कहा जाता है।

स्वाधीनता आंदोलन के इतिहास में यह 9 अगस्त की तिथि दो महत्वपूर्ण स्मृतियों से जुड़ी है। पहली तिथि 9 अगस्त 1925 है। इस दिन क्रांतिकारी आंदोलन को गति देने के लिए काकोरी रेलवे स्टेशन पर सरकारी खजाना लूटा गया था। दूसरी तिथि 9 अगस्त 1942 है। इस दिन अहिंसक आंदोलन को निर्णायक स्वरूप देने के लिए अंग्रेजों, भारत छोड़ो आंदोलन आरंभ हुआ था। इस आंदोलन का आह्वान गांधी जी ने किया था, पर एक रात पहले ही 8 अगस्त को गांधी जी सहित सभी कांग्रेस नेता बंदी बना लिए गए थे। लेकिन यह आंदोलन मानो जन आंदोलन था। देश के अधिकांश स्थानों में सामान्य जन हाथ में तिरंगा लेकर निकल पड़े थे। जनसामान्य की भागीदारी के कारण ही इस आंदोलन को अगस्त क्रांति नाम मिला।

क्रांतिकारी आंदोलन में सुप्रसिद्ध क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद, सरदार भगतसिंह सहित विभिन्न क्रांतिकारियों को फाँसी और जेल में डाल देने से भले ही सशस्त्र क्रांति की धारा में कुछ शिथिलता आई, पर काकोरी कांड से पूरी अंग्रेज सरकार हिल गई थी। इसकी गूँज लंदन तक हुई थी। तब अंग्रेज सरकार ने दो काम किए। एक ओर कुछ नागरिक अधिकार देना आरंभ किया और दूसरी ओर अंग्रेज-विरोधी क्रांतिकारियों के दमन का क्रम शुरू किया। यह क्रांतिकारी आंदोलन का दबाव ही था कि अंग्रेजों ने कुछ तटस्थ लोगों को विश्वास में लिया और नागरिक अधिकार देने का क्रम बनाया। इसके लिए लंदन से कुछ अध्ययन दल आए और आगे चलकर स्थानीय असेंबलियों के चुनाव हुए।

काकोरी कांड के नायक चंद्रशेखर आजाद थे। क्रांतिकारियों को धन की आवश्यकता थी। वे अंग्रेजों को भारत से बाहर करने के लिए निर्णायक लड़ाई छेड़ना चाहते थे। इसके लिए धन जुटाने के अनेक प्रयत्न हुए। तभी पता चला कि ट्रेन से सरकारी खजाना जाने वाला था। कहने के लिए यह खजाना सरकारी था, अंग्रेज यह पैसा लंदन से लेकर नहीं आए थे। यह भारतीयों का ही पैसा था, जो अंग्रेजों ने बलपूर्वक वसूला था। क्रांतिकारियों ने भारत की स्वतंत्रता के लिए सशस्त्र आंदोलन में इस पैसे को लगाने का संकल्प किया और पता लगाया कि यह पैसा कब और किस ट्रेन से ले जाया जाएगा। जिस ट्रेन से यह खजाना जाने वाला था, वह आठ डाउन पैसेंजर थी। इस खजाने को लूटने की योजना बनी। इसमें सत्रह क्रांतिकारियों की टोली ने हिस्सा लिया।

चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में बनी इस योजना में रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान, योगेशचंद्र चटर्जी, प्रेमचंद खन्ना, मुकुंदीलाल, विष्णु शरण, सुरेशचंद्र भट्टाचार्य, रामकृष्ण खत्री, मन्मथनाथ गुप्त, राजकुमार सिंह ठाकुर, रोशन सिंह, राजेंद्र लाहिड़ी, गोविंद शरण, रामदुलारे त्रिवेदी, रामनाथ पांडे, शचींद्रनाथ सान्याल, भूपेश सान्याल और प्रणवेशकुमार शामिल थे। इसके लिए चार जर्मनी निर्मित माउजर रिवॉल्वर जुटाए गए। माउजर की खास बात यह होती है कि यदि इसके बट में लकड़ी का हैंडल लगा दिया जाए, तो इसे बंदूक की तरह उपयोग किया जा सकता है। गाड़ी जैसे ही काकोरी से सहारनपुर के लिए रवाना हुई, तो इसे चेन खींचकर रोका गया और ट्रेन पर धावा बोलकर खजाना लूट लिया गया। बाद में अंग्रेजों ने 40 क्रांतिकारियों को बंदी बनाया। इनमें चार को फाँसी, बारह को उम्रकैद, काला पानी और बाकी को चार-चार साल के कारावास का दंड मिला।

भारत छोड़ो आंदोलन

9 अगस्त 1945 को भारत छोड़ो आंदोलन आरंभ हुआ। इस आंदोलन के पीछे अंग्रेजों द्वारा अपने उस आश्वासन से पीछे हट जाना था। अंग्रेजों ने द्वितीय विश्व युद्ध आरंभ होने पर कांग्रेस से सहयोग माँगा और आश्वासन दिया कि वे भारत को स्वतंत्र कर देंगे और इसकी प्रक्रिया तुरंत आरंभ कर देंगे तथा युद्ध समाप्त होते ही भारत स्वतंत्र हो जाएगा।

द्वितीय विश्व युद्ध 1939 में आरंभ हुआ था। इसके आरंभ होने को तीन वर्ष बीत गए थे, पर भारत की स्वतंत्रता के लिए कोई प्रक्रिया आरंभ न हो सकी। तब 4 जुलाई 1942 को कांग्रेस ने बैठक की और अंग्रेजों से भारत की स्वतंत्रता के लिए प्रक्रिया आरंभ करने का स्मरण दिलाया, पर कुछ नतीजा नहीं निकला। 9 अगस्त 1942 से निर्णायक आंदोलन आरंभ करने का निर्णय हुआ। इसके लिए मुंबई का पार्क तय हुआ। अब इस पार्क को अगस्त क्रांति मैदान का नाम दे दिया गया है।

यद्यपि 4 जुलाई 1942 को हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में निर्णायक आंदोलन चलाने के निर्णय पर मतभेद थे। कुछ नेता चाहते थे कि द्वितीय विश्व युद्ध समाप्त होने तक प्रतीक्षा करनी चाहिए। इन नेताओं में चक्रवर्ती राजगोपालाचारी प्रमुख थे। जबकि पंडित जवाहरलाल नेहरू और मौलाना अबुल कलाम आजाद ने आंदोलन से पहले अंग्रेजों से बात करने का सुझाव दिया, तो सरदार वल्लभभाई पटेल आदि नेता तीन साल बीत जाने पर भी कोई कदम न उठाने पर नाराज थे और तुरंत आंदोलन छेड़ने के पक्ष में थे। अंततः अंग्रेजों को एक माह की अवधि दी गई और नौ अगस्त से आंदोलन करने का निर्णय हुआ। बैठक में आंदोलन का विरोध कर रहे चक्रवर्ती राजगोपालाचारी ने कांग्रेस से त्यागपत्र दे दिया।

अंग्रेजों ने आंदोलन का नोटिस मिलने के बाद भी भारत की स्वतंत्रता के लिए कोई प्रक्रिया आरंभ नहीं की। उल्टे आंदोलन का दमन करने का निर्णय लिया और आंदोलन की तिथि नौ अगस्त से दो दिन पहले, सात अगस्त से ही देशभर में गिरफ्तारियां शुरू कर दीं। गांधी जी और अन्य प्रमुख नेता 8 अगस्त को बंदी बना लिए गए। पर देशव्यापी गिरफ्तारियों के बाद भी आंदोलन न रुका और जनसामान्य तिरंगा हाथ में लेकर निकल पड़ा। भारत का संभवतः कोई नगर और कस्बा न बचा, जहाँ लोग हाथ में तिरंगा लेकर घर से न निकले हों। पुलिस ने पचास से अधिक स्थानों पर गोलियाँ चलाईं, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए। यह आंदोलन महीनों चला। अंततः विवश होकर नवंबर 1942 में अंग्रेजों ने गांधी जी से चर्चा की और समझौता हुआ। गिरफ्तार लोग रिहा हुए। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में यह आंदोलन अंतिम और निर्णायक था। इस आंदोलन का भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी और मुस्लिम लीग ने विरोध किया था। नमन उन हुतात्माओं को, जिनके बलिदान से हम स्वतंत्र हवा में श्वास ले रहे हैं।

सुविधा की राजनीति और शिक्षा जगत की दुविधा

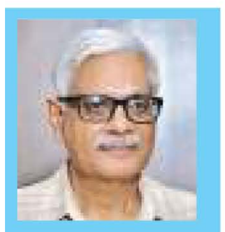

गिरीश्वर मिश्र

लोकतंत्र के आधुनिक परिवेश में सामाजिक-राजनीतिक जीवन में उथल-पुथल आम बात है। विकसित और विकासशील सभी तरह के देशों में, जहाँ लोकतांत्रिक सरकारें सत्ता की बागडोर संभाल रही हैं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बहाल है। वहाँ तमाम चीजों को लेकर बहसें होती रहती हैं। ऐसे में विभिन्न मुद्दों पर राजनैतिक दलों की अलग-अलग राय भी होती है। यह स्थिति बहुत हद तक स्वस्थ राजनीतिक प्रवृत्ति को दशार्ती है। सच कहें तो असहमति को आदर देना सभ्य समाज की वैचारिक परिपक्वता का परिचायक होता है।

भारत जैसे देश में जहाँ राष्ट्रीय स्तर की छह और क्षेत्रीय स्तर की साठ राजनीतिक दलों की संख्या है वैचारिक मतभेद होना सहज और स्वाभाविक है। ऊपर से क्षेत्रीय, भाषाई, धार्मिक तथा आर्थिक विविधतायें भी बहुत तरह की हैं। ऐसी बहुलताओं वाले देश में किसी प्रश्न पर भिन्न प्रकार के विचारों को राजनैतिक विमर्श में सहनशीलता के साथ सम्मानजनक जगह मिलनी चाहिए। अक्सर विरोध की गुंजाइश न होने पर लोकतांत्रिक संस्थाएं और उनकी गतिविधियाँ पटरी से उतर कर ठप पड़ जाती हैं। देश में जब आपातकाल लगा था तब कुछ ऐसा ही हुआ था। इतिहास गवाह है कि देश ने उस कदम को नकार दिया था और जेपी के नेतृत्व में बड़ा बदलाव आया और वह एक प्रस्थानविंदु बन गया। उसके बाद किसी एक दल का राजनीतिक वर्चस्व खत्म हो गया। ऐसे में पारस्परिक वाद, विवाद और संवाद राजनीतिक अनिवार्यता बन चुकी है।

गौरतलब है संविधान सभा की बहसों और उसके बाद देश के संसदीय इतिहास में भी अनेक अवसरों पर संसद में तीखी बहसें होती रही हैं। कई सांसदों के वक्तव्यों में ज्ञान-विज्ञान और संस्कृति-सभ्यता की बातें भी हुआ करती थीं और हास्य-विनोद का पुट भी रहता था। इनसे लोगों को सीखने को भी बहुत कुछ मिलता था। कुछ समय से इस तरह की परम्परा से अलग हट कर संसद में चल रही गतिविधि देखते-सुनते हुए आमजन हतप्रभ हैं और उनकी चिंता बढ़ती रही है। अब संसद परिसर का वातावरण गंभीर विचार-विनिमय की जगह नाटकीय अभिनय के प्रदर्शन का मंच सा होता जा रहा है। संसद के भीतर और बाहर बार-बार मान्यवरों की ओर से ऐसा होना आमजन को निराश करने वाला है।

इससे किसी दल कितना राजनैतिक लाभ मिलता है ये तो वे ही जानें पर ऐसे गैरज़िम्मेदार आचरण से तात्कालिक रूप से देश के संसाधनों का अपव्यय तो निश्चित रूप से होता है। यह अलग बात है कि इसकी ज़िम्मेदारी कोई नहीं लेता है। साथ ही जनता को अवांछित संदेश भी जाता है। संसद का पूरा का पूरा सत्र कोरा बीत जाता है और उसके काम धरे के धरे रह जाते हैं या फिर आपाधापी में बिना विचारे निपटा लिए जाते हैं। दोनों ही हाल में यह एक जोखिम वाली बात है, पर यह प्रवृत्ति रुकने का नाम नहीं ले रही है। समस्याओं पर विचार करने और उनकी ओर ध्यान आकृष्ट करने का जो अभिनव तरीका उभर रहा है वह संसद की गरिमा के विरुद्ध है।

अलबत्ता सांसदों को अन्न, जल तथा पर्यटन और कार्य के भत्ते आदि की तरह-तरह की सुविधाएं उपलब्ध रहती हैं। सांसद होने के लाभ उन्हें मिलते रहते हैं। उन्होंने अपने लिए नीति बना रखी है ताकि सुविधाएं बिना बंदिश के मिलती रहें। सुविधा सबको चाहिए, राजा को भी और प्रजा को भी। राजनीति सुविधाभोगी हो रही है और लोक-जीवन के सरोकार पिछड़ते जा रहे हैं। जनता की नियति असुविधा भोगने की है। उसकी लाचारी और विवशता कई-कई मोर्चों जारी है।

आजकल राजनीति में भी सत्ता पक्ष और विपक्ष में ठनी हुई है और संसद में गतिरोध जारी है। इस खेदजनक रुकावट की त्रासदी देश में शिक्षा की समस्याओं से जुड़ी हुई है। बावजूद इसके शिक्षा किसी भी समाज की रीढ़ होती है केंद्र और राज्यों की सरकार हो या संसद, शिक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण और बुनियादी प्रश्नों की लगातार उपेक्षा होती आ रही है। चर्चाओं में सभी विषयों पर ध्यान देने के बाद शिक्षा की बारी आती है और इस पर सतही तौर पर नजर डाली जाती है और रस्म अदायगी निभाई जाती है।

शिक्षा एक ऐसा विषय है जिसके लिए कोई विशिष्ट योग्यता भी नहीं चाहिए इसलिए किसी को भी इसे सुपुर्द कर दिया जाता है। साथ ही भारतीय शिक्षा व्यवस्था इस अर्थ में अनूठी है कि इसमें अपनी शिक्षा पर भरोसा नहीं है। मसलन हायर सेकेंड्री से बीए/ बीएससी और बीए/ बीएससी से एमए/ एमएससी में प्रवेश के लिए किस्म-किस्म की परीक्षाओं का एक बड़ा जाल बना रखा है। प्रवेश-परीक्षाओं की बड़ी लंबी सूची है जिसमें विद्यार्थी को लगातार पात्रता सिद्ध करते रहना है। सिर्फ. पढ़ाई काफी नहीं है; प्रवेश-परीक्षाएं शिक्षा-क्रम में आगे कदम बढ़ाने के लिए सीढ़ी बन गई हैं। इस मद्देनजर मददगार कोचिंग संस्थानों की संख्या भी बढ़ती जा रही है।

पर ताजा संदर्भ में परीक्षा कराने की चाक-चौबंद राष्ट्रीय व्यवस्था (एनटीए) ही बड़ी चुनौती बन गई। नीट के पेपर लीक की बार-बार की घटनाओं ने छात्रों के भरोसे को तोड़ दिया पर इसकी अनदेखी होती रही। इसका परिणाम युवा-आक्रोश के रूप में उभरा। दुखी होकर आज जेनरेशन जेड और जेनरेशन अल्फा ने तीव्र स्वर में अपनी बात उठाने का संकल्प कर लिया। हम सबने देखा कि कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के उग्र प्रदर्शन के आगे सरकार को बाध्य होकर कई कड़े कदम उठाने पड़े और तब जाकर कहीं आंदोलन थमा। इस घटनाक्रम ने यह भलीभांति प्रकट कर दिया कि प्रश्नों का टालते रहना या उन पर कारवाई न करने की बड़ी कीमत अदा करनी पड़ती है। लोकतंत्र जनता के लिए होता है और उसकी आवाज का बड़ा महत्व होता है। आज जब संचार के साधन बहुत बढ़ चुके हैं, लोकमत की तरफ से मुँह मोड़ लेना या आँख बंद रखना और खतरनाक हो रहा है। अब झारखंड में परीक्षाओं में धांधली को लेकर छात्रों का धरना-प्रदर्शन जारी है।

परीक्षा के पेपर बार-बार लीक होना शर्मनाक है और अब सरकार उसका संज्ञान लेकर सख्त कदम उठा रही है। परंतु शिक्षा के सवाल केवल परीक्षा तक सीमित नहीं हैं। राजस्थान, बिहार और उत्तर प्रदेश आदि कई राज्यों में सरकारी स्कूलों की खस्ता हालत बता रही है कि शिक्षा की आधारशिला कमजोर हो रही है। बहुतेरे विद्यालयों में न तो शौचालय जैसी सामान्य सुविधाएं हैं न ही पढ़ने-पढ़ाने के लिए पर्याप्त अध्यापक हैं। अनुमानतः देश में एक लाख स्कूल ऐसे हैं जहाँ केवल एक अध्यापक है और वही सभी कक्षाओं को पढ़ाता है। ऐसे एकल शिक्षक विद्यालयों की संख्या बढ़ रही है। केंद्रीय विश्वविद्यालयों में लगभग 28 प्रतिशत और राज्यों के विश्वविद्यालयों में अध्यापकों के लगभग 40 से 60 प्रतिशत पद खाली पड़े हैं। भर्ती की प्रक्रिया समय पर न हो पाना और विकट नौकरशाही के झमेलों के चलते प्राध्यापकों की नियुक्ति नहीं हो पा रही है।

आज का राशिफल

मेष- बुद्धि व धन का दुरूपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए।

वृष- कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान - सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा।

मिथुन- यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा।

कर्क- मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ।

सिंह- परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे।

कन्या- अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। मित्रों से सावधान रहें।

तुला- मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक- दिनभर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे।

धनु- घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा।

मकर- प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी।

कुंभ- कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कुछ तनाव हो सकता हैं।

मीन- आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढने. के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा।

संक्षिप्त समाचार

राजवीर राजावत के मार्गदर्शन एवं वंदना शिवहरे के नेतृत्व में मोहन मंगल और संध्या शर्मा ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की

चमकता राजस्थान/धौलपुर ब्यूरो चीफ : रामदास तरुण। बाड़ी : भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष राजवीर राजावत के मार्गदर्शन एवं मंडल अध्यक्ष वंदना शिवहरे के नेतृत्व में संगठन विस्तार अभियान के अंतर्गत मोहन मंगल (कसाई पाड़ा) एवं संध्या शर्मा (छपेटीपाड़ा) ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर दोनों नवसदस्यों का पार्टी परिवार में आत्मीय स्वागत किया गया। मंडल अध्यक्ष वंदना शिवहरे ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रहित, जनसेवा और विकास की विचारधारा पर कार्य करने वाला विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक संगठन है।उन्होंने नवसदस्यों से संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का आ''ान किया। जिला अध्यक्ष राजवीर राजावत के मार्गदर्शन में चल रहे संगठन विस्तार अभियान के तहत लगातार नए लोग भारतीय जनता पार्टी की रीति-नीति और जनकल्याणकारी योजनाओं से प्रभावित होकर पार्टी से जुड़ रहे हैं।कार्यकर्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि मोहन मंगल एवं संध्या शर्मा के पार्टी में शामिल होने से संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी तथा क्षेत्र में पार्टी का जनाधार और सशक्त होगा। इस अवसर पर भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे तथा नवसदस्यों का पुष्पमाला एवं पार्टी का दुपट्टा पहनाकर स्वागत करते हुए उन्हें उज्ज्वल राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन की शुभकामनाएं दीं।

धरियावद थाना में बकरे चोरी की रिपोर्ट, आरोपी मौके से फरार

चमकता राजस्थान/धरियावद। धरियावद थाना क्षेत्र में रहने वाले लकमा पिता बबरू मीणा निवासी लिमड़ी खेड़ा एवं लालू रामराम पिता गागला जी मीणा निवासी उदयभान पूरा वाले ने इस आशय के साथ रिपोट दी गई थाना धरियावद मे कि हम देव दर्शन के लिए गये पीछे से हमारे घर से हिरिया पिता केसिया मीणा निवासी खुन्ता वाला जो आदतन अपराधी का होकर हमारे बकरे चोरी कर लेकर चला गया जिसकी फरियादि गांव के मोबीरानो तपाश करने पर दोनों बकरे मोके पर मिल गये मोके से चोर भाग निकला जहाँ से बकरे को मोके से लेकर थाना पहुचे जहाँ थाना अधिकारी हजारी लाल मीणा को नाम जब्त रिपोट देकर उचित कार्यवाही कि मांग कि जहाँ थाना अधिकारी ने रिपोट लेकर कहा मे कानूनी कार्यवाही पूरी यई से करुँगा मुल्जिम कही भी होगा उसे जल्द गिरफ्तार कर लुगा और न्याय दिलाऊंगा तब फरियादि घर पहुचे अपने बकरे को सुरक्षित लेकर और थाना अधिकारी का आभार व्यक्त किया

नंदपुरा ग्राम सेवा केंद्र में ई-मित्र सुविधा शुरू, गांव में ही मिलेंगी ऑनलाइन सेवाएं

चमकता राजस्थान/धौलपुर ब्यूरो चीफः रामदास तरुण। एसबीआई फाउंडेशन के सहयोग से मंजरी फाउंडेशन द्वारा संचालित ग्राम सेवा प्रोजेक्ट के तहत धौलपुर जिले के पांच गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास एवं सामुदायिक सशक्तिकरण के कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में एसबीआई फाउंडेशन के ग्राम सेवा प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर सिद्धालिंगेश ने मुंबई से धौलपुर पहुंचकर परियोजना के तहत संचालित कार्यों का अवलोकन किया।

दौरे के दौरान बहरावती गांव में 20 गरीब एवं जरूरतमंद छात्राओं को साइकिलें वितरित की गईं, जिससे उन्हें नियमित रूप से विद्यालय आने- जाने में सुविधा मिलेगी। साथ ही 15 मेधावी एवं आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई। कोऑर्डिनेटर सिद्धालिंगेश ने बहरावती गांव स्थित मॉडल स्कूल का निरीक्षण कर शैक्षणिक गतिविधियों एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने गांव में बने विश्राम स्थल का भी निरीक्षण किया। इसके बाद नंदपुरा गांव स्थित ग्राम सेवा केंद्र एवं प्रेरणा सेंटर का विस्तृत अवलोकन किया गया तथा सामुदायिक विकास, शिक्षा एवं जागरूकता संबंधी गतिविधियों की समीक्षा की गई।नंदपुरा ग्राम सेवा केंद्र में ई-मित्र सुविधा शुरू होने से ग्रामीणों को अब ऑनलाइन कार्यों के लिए शहर नहीं जाना पड़ेगा। गांव में ही युवाओं के नौकरी एवं प्रतियोगी।परीक्षाओं के फॉर्म भरने, रेलवे टिकट बुकिंग सहित विभिन्न ऑनलाइन सेवाओं की सुविधा उपलब्ध होगी। इससे ग्रामीणों के समय और धन की बचत होगी।उल्लेखनीय है कि एसबीआई फाउंडेशन का ग्राम सेवा प्रोजेक्ट मंजरी फाउंडेशन के सहयोग से धौलपुर जिले के पांच गांवों में संचालित हो रहा है। परियोजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, डिजिटल सेवाओं एवं सामुदायिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है।

गजसिंहनगर पुलिस की नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 3 किलो 80 ग्राम अवैध डोडा पोस्ट सहित युवक गिरफ्तार

चमकता राजस्थान/गजसिंहनगर (जिला संवाददाता संजय बिश्नोई)। जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गजसिंहनगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 3 किलो 80 ग्राम अवैध डोडा पोस्ट के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई गजसिंहनगर थाना अधिकारी श्रीमती शालू बिश्नोई के नेतृत्व में की गई। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान विक्रम उर्फ विक्की पुत्र ओमप्रकाश (21 वर्ष), निवासी वार्ड नंबर 02, गजसिंहनगर के रूप में हुई है। आरोपी के कब्जे से 3 किलो 80 ग्राम अवैध डोडा पोस्ट बरामद किया गया, जिसके बाद उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

कार्रवाई को सफल बनाने में थाना अधिकारी श्रीमती शालू बिश्नोई, हेड कांस्टेबल तरविंद्र सिंह, कांस्टेबल विकास तथा कांस्टेबल महावीर की अहम भूमिका रही। विशेष रूप से कांस्टेबल महावीर का इस कार्रवाई में उल्लेखनीय योगदान रहा, जिनकी सतर्कता और सक्रियता से पुलिस को सफलता मिली।

मामले की आगे की जांच सब इंस्पेक्टर रायसिंह, पुलिस थाना पदमपुर को सौंपी गई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि बरामद डोडा पोस्ट कहां से लाया गया था और इसके नेटवर्क में कौन-कौन लोग शामिल हैं।

गजसिंहनगर पुलिस की इस कार्रवाई को नशे के कारोबार के खिलाफ एक महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में नशा तस्करों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

देशभर से जुटें साहित्यकार, समाजसेवी, प्रशासनिक अधिकारी व जनप्रतिनिधि।

संपर्क संस्थान के राष्ट्रीय रजत जयंती महोत्सव की हुई भव्य शुरुआत

11 पुस्तकों का लोकार्पण, 50 विशिष्ट हस्तियों का सम्मान और विविध राष्ट्रीय सत्र हुए आयोजित।

चमकता राजस्थान

अविनाश शर्मा/मदनगंज-किशनगढ़। सामाजिक सरोकार, साहित्य, शिक्षा एवं सेवा के क्षेत्र में देशभर में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके संपर्क संस्थान के दो दिवसीय राष्ट्रीय रजत जयंती महोत्सव की शनिवार को अग्रसेन विहार, किशनगढ़ में भव्य रूप से शुरुआत हुई । कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र के समक्ष अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि संपूर्ण विश्व में भारत जैसा दूसरा कोई देश नहीं है। उन्होंने कहा कि देवतुल्य भारत में नदियों को भी माता का दर्जा मिला हुआ है और भारत की अनूठी सांस्कृतिक विविधता व एकता के चलते विश्व की कोई भी ताकत भारत की तरफ आंख उठाकर भी

नहीं देख सकती। उन्होंने मौजूदा विश्व परिदृश्य में भारत के फिर से विश्व गुरु व विश्व मार्गदर्शक बनने की उम्मीद जताई । स्पीकर देवनानी ने संपर्क संस्थान से जुड़े सभी पदाधिकारियो को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसी संस्थाएं ही समाज में करुणा, दया, मानवता व समरसता के भाव को आगे बढ़ाती है और मैं उम्मीद करता हूं कि संपर्क संस्थान इसी प्रकार से सेवा कार्य करते हुए आने वाले वर्षों में अपना स्वर्ण जयंती महोत्सव भी मनाएगा। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि व कल्याण राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी ने संपर्क संस्थान की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए संपर्क संस्थान के 25 सालों की साधना, तपस्या का उल्लेख करते हुए किशनगढ से शुरुआत पर खुशी जताई।

अध्यक्ष अनिल लढ़ा ने अपने स्वागत उद्बोधन में सेवा से संवेदना तक की 25 सालों की यात्रा को भावुकता से बताते हुए सहयोग के लिए आभार जताया। संस्थान समन्वयक महासचिव रेनू शब्दमुखर ने संपर्क की साहित्यिक यात्रा का उलेख किया। वहीं कार्यक्रम संयोजक हिंदी प्रचार प्रसार संस्थान जयपुर राजस्थान के अध्यक्ष डॉ. अखिल शुक्ला ने दो दिन तक चलने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा बताई।

इस अवसर पर रोजियम डेवलपर्स के चैयरमेन अर्पित जैन ने संपर्क के प्रयासों की जमकर सराहना की ।

इस दौरान डॉ. आरती भदौरिया, आगरा की साहित्यकार शुभद्रा , संस्था के सचिव एवं वरिष्ठ पत्रकार अविनाश शर्मा भी मंचासीन थी।

दो दिवसीय इस राष्ट्रीय आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों से संपर्क संस्थान के प्रतिनिधि, साहित्यकार, शिक्षाविद्, समाजसेवी, प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियां सहभागिता कर रही है।

उद्घाटन सत्र में संपर्क साहित्य परिवार के सदस्यों की 11 नवीन पुस्तकों का लोकार्पण, संस्थान की स्थापना से जुड़े 25 वरिष्ठ सदस्यों का सम्मान, तथा शिक्षा, साहित्य, खेल एवं सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली 25 विशिष्ट विभूतियों को 'संपर्क रजत सम्मान' से अलंकृत किया गया। साथ ही संपर्क संस्थान की 25 वर्षों की यात्रा पर आधारित वृत्तचित्र तथा विशेष स्मारिका का भी विमोचन किया गया।

दोपहर में द्वितीय सत्र में 'सृजन से सरगम तक' विषयक साहित्यिक सत्र आयोजित हुआ, जिसमें पुस्तक चर्चा, साहित्यिक विमर्श एवं सम्मान समारोह आयोजित हुए। । रात्रि को रजत संध्या' के अंतर्गत संस्थान के सदस्यों द्वा-रा रंगारंग सांस्कृतिक एवं संगीत प्रस्तुतियां दी गई ।

नागौर में 'मैं भी स्वदेशी समर्थक' अभियान का आयोजनः स्वदेशी अपनाकर मजबूत राष्ट्र निर्माण का लिया संकल्प

चमकता राजस्थान

रिपोर्ट मोहम्मद रफीक नागौर। नागौर मेरा जिला मेरी पहचान' के व्यापक दृष्टिकोण के अंतर्गत नागौर जिले में 'मैं भी स्वदेशी समर्थक' अभियान को गति देने के लिए एक विशेष जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नागौर के प्रतिष्ठित कॉन्सेप्ट कोचिंग (Concept Coaching) और महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसमें स्वदेशी विचारों और उत्पादों को अपनाकर समाज और राष्ट्र को मजबूत बनाने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के मुख्य बिंदुः

नागरिक कर्तव्य का आह्वानः अभियान के माध्यम से ₹आइए, अपने परिवार और जिले में स्वदेशी समर्थकों को जोड़कर बनाएं मजबूत जिला, समाज और राष्ट्र!₹ का संदेश जन-जन तक पहुँचाया गया।

शुरुआत स्वयं से करेंः उपस्थित लोगों को यह समझाया गया कि ₹हमारा जिला हमारी जिम्मेदारी₹ है। सभी ने अपने नागरिक कर्तव्यों का पालन करते हुए सबसे पहले स्वयं स्वदेशी को अपनाने का संकल्प लिया।

डिजिटल जुड़ावः अभियान से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए पोस्टर में दिए गए विशेष क्यूआर कोड (दफ उङ्गी) के माध्यम से लोगों से ऑनलाइन जुड़ने (₹आप भी जुड़ें₹) की अपील की गई, ताकि ₹एकजुट समाज, समृद्ध जिला₹ के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।

कार्यक्रम में सम्मिलित प्रमुख गणमान्य व्यक्तिः

इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र से जुड़े कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया और अभियान को अपना पूर्ण समर्थन दिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से निम्नलिखित महानुभाव उपस्थित रहेः

श्री रमेश जी सोलंकी

श्री रमेश जी सोनी

श्री राजेश जी देवड़ा

श्री रणजीत जी टाडा

कार्यक्रम के अंत में सभी वक्त-ाओं और उपस्थित नागरिकों ने यह साझा संकल्प लिया कि वे अपने दैनिक जीवन में स्वदेशी को बढ़ावा देंगे। नागौर जिले की पहचान को और अधिक गौरवशाली बनाने के लिए ₹हमारा योगदान, हमारा गर्व₹ की भावना के साथ यह अभियान जिले के अन्य हिस्सों में भी निरंतर जारी रहेगा।

तेज रफ्तार कार ने दो पुलिसकर्मियों को मारी जोरदार टक्कर, ASI की हालत नाजुक

चमकता राजस्थान

मोहम्मद इरफान अंसारी/अजमेर। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित नया बाजार में शनिवार सुबह तेज रफ्तार कार ने ड्यूटी पर तैनात दो पुलिस अधिकारियों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दरगाह थाने के अरक राजेन्द्र प्रसाद और हेड कांस्टेबल प्रदीप गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को तत्काल जेएलएन अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। बताया जा रहा है कि अरकराजेन्द्र प्रसाद की हालत नाजुक बनी हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला भी जेएलएन अस्पताल पहुंचे और घायल पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य की जानकारी ली।

हादसे के बाद कार चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आसपास लगे उउळश कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है और फरार चालक की तलाश में जुटी है। पुलिस हादसे के कारणों की भी जांच कर रही है। गौरतलब है कि अरकराजेन्द्र प्रसाद और हेड कांस्टेबल प्रदीप का हाल ही में गंज थाने से दरगाह थाने में ट्रांसफर हुआ था। घटना के बाद पुलिस महकमे में भी चिंता का माहौल है।

कुम्हारवाड़ा से रामद्वारा मार्ग बदहाल, गड्ढों के बीच आवागमन को मजबूर आमजन

- **नरसिंह माता मंदिर मार्ग पर दोपहिया वाहन चालकों को हो रही परेशानी, जिम्मेदार विभाग से मरम्मत की मांग**

चमकता राजस्थान/धरियावद। नगर के कुम्हारवाड़ा स्थित नरसिंह माता मंदिर से रामद्वारा जाने वाला मार्ग इन दिनों बदहाल स्थिति में है। सड़क पर जगह-जगह बने गड्ढों एवं उबड़-खाबड़ रास्ते के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सबसे अधिक दिक्कत दोपहिया वाहन चालकों को हो रही है। सड़क की खराब स्थिति के चलते वाहन चालकों को गड्ढों से बचकर निकलना पड़ता है। बारिश के दौरान सड़क पर पानी भरने से गड्ढे दिखाई नहीं देने के कारण परेशानी और बढ़ जाती है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि यह मार्ग आमजन के आवागमन का महत्वपूर्ण रास्ता है, लेकिन लंबे समय से सड़क की हालत खराब होने के बावजूद इस ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

आमजन ने संबंधित विभाग से सड़क का मौका निरीक्षण करवाकर जल्द से जल्द मरम्मत एवं आवश्यक सुधार कार्य करवाने की मांग की है, ताकि लोगों को आवागमन में राहत मिल सके।

मांडल में बहन बेटियों ने किया अपनी तरफ से भोजन का प्रोग्राम

चमकता राजस्थान/महेश कुमार बिड़ला/मीडिया प्रभारी मांडल भीलवाड़ा। मांडल में नई नगरी मैं सभी बहन बेटियों ने मिलकर सामूहिक पियर वालों के लिए माहेश्वरी भवन मांडल में भोज आयोजित करवाया । नई नगरी रघुनाथ जी मंदिर से भगवान का बेवाण ठाकुर जी का निकाला जो वीर मोहल्ले होकर सदर बाजार होकर सब्जी मंडी होते हुए माहेश्वरी पंचायत भवन पूजा सभी बहन बेटियां नाचती हुई भजन गाती हुई । माहेश्वरी पंचायत भवन पहुंची वहां पियर पक्ष वाली सभी भाभियों ने बहन बेटियों का नाच गान करके स्वागत किया और उसके बाद सभी ने भगवान का आशीर्वाद का आशीर्वाद प्राप्त किया । सभी ने सामूहिक भोज किया । इस अवसर पर मंजू देवी बिरला राधा झवरं मोनिका बिरला प्रियंका मंडोवरा अनिता बिरला प्रवीणा बिरला आरती बिरला वंदना बिरला सुधा बिरला और सभी महिलाएं उपस्थिति रही

डग नगर पालिका चुनाव की तैयारी तेज कांग्रेस ने खोला चुनावी मोर्चा

कांग्रेस कार्यालय का उद्घाटन बैठक में 20 वार्ड में जीत का संकल्प भाजपा कार्यकर्ताओं ने थामा कांग्रेस का हाथ

चमकता राजस्थान

गोपाल सिलोरिया करावन झालावाड़। आगामी डग नगर पालिका चुनाव को लेकर कांग्रेस कमेटी डग की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया बैठक से पूर्व मुख्य अतिथि द्वारा विधिवत फिता काट कर कांग्रेस कार्यालय का उद्घाटन किया गया बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह गुर्जर ने की मुख्य अतिथि के रूप में भैरुसिंह सिंह परिहार (विधायक सुसनेर एवं प्रधान प्रतिनिधि डग)उपस्थित रहे विशिष्ट अतिथियों में नेमी गुर्जर प्रभारी डग विधानसभा चेतराज

गहलोत विधायक प्रत्याशी डग विधानसभा एससी प्रकोष्ठ (जिला अध्यक्ष) हेमंत बेरवा सिद्दीक भाई पूर्व विधायक स्नेहलता देवकीनंदन वर्मा तथा नरेंद्र सिंह परिहार (ब्लॉक अध्यक्ष डग)शामिल रहे कार्यक्रम का संचालन नगर अध्यक्ष सुभाष वेद ने किया बैठक को संबोधित करते हुए भेरू सिंह परिहार ने कहा कि डग की जनता इस बार पूरे मन से कांग्रेस का चेयरमैन बनाने के लिए तैयार है उन्होंने कार्यकर्ता से एक झूठ ठोकर सभी 20 वार्डों में कांग्रेस प्रत्याशी को विजय बनाने का आ''ान किया इस दौरान अजय नगर ने जिला (अध्यक्ष)एवं प्रभारी से आग्रह किया कि नगर पालिका चुनाव स्थानीय स्तर का है इसलिए पार्षद उम्मीदवारों के टिकट चैयन में स्थानीय कार्यकर्ता को प्राथमिकता दी जाए इस पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह गुर्जर ने सहमति व्यक्त की बैठक के दौरान जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में भाजपा के दर्जन भर कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की इनमें विकास जैन प्रकाश लोधा मनोज लोधा राहुल लोधा विष्णु लोधा दशरथ लोधा एवं कैलाश लोधा सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे कार्यक्रम में डग पंचायत समिति (प्रशासक संघ अध्यक्ष) ईश्वर सिंह गुनाई नरेंद्र सिंह तिसाई प्रवक्ता आबिद अहमद भाई सदर वकील मोहम्मद शिवनारायण जीजू राधेश्याम बाऊजी जूबेर भाई शकील मुल्तानी सलमान भाई अजय नगर रवि कलाल बंसीर भाई सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारीएवं कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

जिला कलक्टर काना राम रहेंगे कनाडा अध्ययन दौरे पर

● जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुडानिया संभालेंगे जिला कलक्टर का अतिरिक्त प्रभार

चमकता राजस्थान/सवाई माधोपुर। कार्मिक विभाग, राजस्थान सरकार के आदेशानुसार सवाई माधोपुर के जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट काना राम 9 से 15 अगस्त, 2026 तक कनाडा के अध्ययन दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में कनाडा की निर्वाचन प्रणाली, निर्वाचन प्रबंधन, मतदाता पंजीकरण, चुनाव संचालन एवं निर्वाचन संबंधी श्रेष्ठ व्यवस्थाओं का अध्ययन करेंगे। राज्य सरकार द्वारा जारी पृथक आदेश के अनुसार जिला कलक्टर काना राम की अनुपस्थिति अवधि में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुडानिया, आईएएस को सवाई माधोपुर जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वे अपने वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ जिला कलक्टर के पद के कार्यों का भी निर्वहन करेंगे।

आदर्श विद्या मंदिर पर कार्रवाई, पढ़ाए छात्र को बिना फीस पढ़ाने के आदेश

चमकता राजस्थान/भरत कुमार गांधी रानी। रानी में एक निजी विद्यालय द्वारा आर टी ई के तहत पिछले वर्ष से पढ़ने वाले छात्र को इस साल विद्यालय में पढाने के लिए शिक्षण शुल्क की मांग करने का पर छात्र के पिता इंदरसिंह ने विद्यालय प्रशासक के विरुद्ध आरोप लगा कर उपखंड अधिकारी रानी एवं मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रानी से छात्र को विद्यालय में आर टी ई के नियमों के तहत शिक्षा ग्रहण करने के आदेश करवाने की मांग की । छात्र के अभिभावक इंदरसिंह ने बताया कि आदर्श विद्या मंदिर रानी में उसका पुत्र कृष्णपालसिंह पुत्र इंदरसिंह चौहान का सत्र 2025- 26 में नर्सरी में चयन हुआ था । 2026- 27 का सत्र प्रारंभ होने पर आदर्श विद्या मंदिर के प्राचार्य ने कहा कि पिछले सत्र की फीस सरकार द्वारा विद्या मंदिर के खाते में जमा नहीं होने के कारण कृष्णपालसिंह का नाम स्कूल से काट दिया जायेगा । जिस पर अभिभावक इंदरसिंह ने उपखंड प्रशासन व शिक्षा विभाग से छात्र को विद्यालय में बिना किसी शुल्क के शिक्षा ग्रहण कराने के आदेश विद्या मंदिर को प्रदान कर छात्र को शिक्षा से वंचित रहने से बचाने की मांग की ।

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रानी द्वारा दिनांक 07-08-2026 को पत्र क्रमांक सामान्य 248 द्वारा प्रधानाचार्य आदर्श विद्या मंदिर को आर टी ई के तहत अध्ययनरत छात्र कृष्णपाल सिंह चौहान को नियमित कक्षा में निर्बाध रूप से बैठाने, किसी प्रकार की फीस /दस्तावेज हेतु बाध्य नहीं करने के आदेश दिए ।

स्व. पानी देवी पंवार की स्मृति में मेघवाल छात्रावास व आरोग्य भवन को 32 हजार रुपए की सहायता

चमकता राजस्थान/राजू भाई सागासनी / ब्यूरो चीफ, जोधपुर। लूणी। लूणी विधानसभा क्षेत्र के गुड़ा बिश्नोईयान गांव में स्वर्गीय पानी देवी, धर्मपत्नी श्री खेराजराम जी पंवार की स्मृति में उनके परिवार की ओर से सामाजिक संस्थाओं को आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया।

स्वर्गीय पानी देवी की स्मृति में खेराजराम जी पंवार, उनके पुत्र गोबरराम, सुरेशराम एवं चेनाराम की ओर से मेघवाल छात्रावास को 21,000 रुपए तथा मेघवाल आरोग्य भवन को 11,000 रुपए की राशि भेंट की गई। इस प्रकार कुल 32,000 रुपए का सहयोग प्रदान किया गया।

इस अवसर पर ठेकेदार नारायणराम पंवार, दौलाराम कड़ेला, ईश्वरराम पंवार, भेपाराम एवं मांगीलाल गुजरिया,घेवरराम जी बोचिया सोडेरो की ढाणी ,कांग्रेस नेता गोपाराम जी मेघवाल डोली, मास्टर सुरजाराम जी सहित समाज के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान धाराराम जी परिहार, गोपाराम जी डोली, मनसुख जी गंदेर, सतीश जी गुणपाल, जियाराम जी बारूपाल एवं तेजाराम जी को राशि सौंपकर रसीद प्राप्त की गई।

परिजनों ने कहा कि स्वर्गीय पानी देवी की स्मृति को सामाजिक सेवा एवं समाजहित के कार्यों से जोड़ना उनके लिए श्रद्धांजलि का एक माध्यम है।

योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए 'सूर्य नमस्कार' पोस्टर का भी हुआ विमोचन

भारत विकास परिषद जालौर ने किया गुरुजनों का वंदन, 18 मेधावी विद्यार्थियों का अभिनंदन

बैरठ स्कूल में गुरु-शिष्य परंपरा का दिखा अनूठा संगम, 216 विद्यार्थियों ने गुरुजनों के चरणों में पुष्प अर्पित कर लिया आशीर्वाद

चमकता राजस्थान

ब्यूरो चीफ कयूम खान / फोटो साबिर सागर जालौर। भारत विकास परिषद जालौर शाखा की ओर से शनिवार को श्री नारायण जी केसाजी राजपुरोहित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बैरठ में गुरु वंदन एवं छात्र अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति, गुरु-शिष्य परंपरा और संस्कारों की जीवंत झलक देखने को मिली।

कार्यक्रम के दौरान गत वर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले, अनुशासन एवं सेवा कार्यों में अग्रणी 18 मेधावी विद्यार्थियों को भारत विकास परिषद की ओर से प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया।

वहीं विद्यालय के सभी 14 गुरुजनों का विद्यार्थियों द्वारा नारियल, अंगवस्त्र एवं पुष्प अर्पित कर सम्मान किया गया। विद्यालय के 216 विद्यार्थियों ने अपने गुरुजनों के चरणों में पुष्प अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। गुरुजनों ने भी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान विद्यालय परिसर में भावनात्मक एवं प्रेरणादायी माहौल बना रहा।

● **संस्कार और राष्ट्र निर्माण का दिया संदेश**

कार्यक्रम में प्रांतीय संयोजक सेवा मदनलाल माली ने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कारों को दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने एकलव्य की गुरु भक्ति और समर्पण का उदाहरण देते हुए माता-पिता एवं गुरुजनों का सम्मान करने तथा नागरिक कर्तव्यों का पालन करने का आह्वान किया। पूर्व प्रांतीय उपाध्यक्ष पदमाराम चौधरी ने गुरु वंदन कार्यक्रम के महत्व, उद्देश्य और विद्यार्थी जीवन में इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों से संस्कारवान बनकर समाज सेवा, राष्ट्रहित एवं चरित्र निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने का आ''ान किया।

परिषद अध्यक्ष राजेंद्र भूतड़ा ने परिषद की सेवा, संस्कार एवं राष्ट्र निर्माण से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी दी तथा गुरु के महत्व एवं गुरु-शिष्य परंपरा पर प्रेरक विचार व्यक्त किए। सचिव शांतिलाल सोनी ने परिषद के मूल उद्देश्यों एवं विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी।

विद्यालय प्रधानाचार्य राजेंद्र सिंह काबावत ने विद्यार्थियों को संस्कार एवं अनुशासन का महत्व समझाते हुए भारत विकास परिषद जालौर द्वारा आयोजित कार्यक्रम के लिए आभार व्यक्त किया।

● **सूर्य नमस्कार पोस्टर का हुआ विमोचन**

कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों में योग एवं सूर्य नमस्कार के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष सूर्य नमस्कार पोस्टर का विमोचन भी किया गया।

विद्यालय प्रधानाचार्य राजेंद्र सिंह काबावत ने परिषद अध्यक्ष एवं योग गुरु राजेंद्र भूतड़ा के हाथों परिषद सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति में सूर्य नमस्कार पोस्टर का विमोचन करवाया। इस पहल को विद्यार्थियों में योग, स्वास्थ्य और भारतीय परंपराओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में अनूठा प्रयास बताया गया।

'बोल बम' के जयघोष से गूंजा पूरा नगर, श्रद्धा और समर्पण का दिखा अद्भुत संगम

डग में गूंजा 'हर हर महादेव', विशाल कावड़ यात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब

विधायक कालूराम मेघवाल ने पुष्पवर्षा कर कांवड़ियों का किया स्वागत

चमकता राजस्थान

डग-8अगस्त(कुन्दन व्यास) । श्रावण मास के पावन अवसर पर शनिवार को शिव भक्त सेवा मंडल,डग के तत्वावधान में आयोजित भव्य विशाल कावड़ यात्रा में आस्था,भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला।कावड़ लेकर भगवान भोलेनाथ की भक्ति में लीन सैकड़ों शिवभक्तों ने नगर में शोभायात्रा निकाली।पुष्पवर्षा कर किया स्वागत कावड़ियों का विधायक कालूराम मेघवाल एवं पूर्व प्रधान रघुराज सिंह परिहार एवं पंचायत समिति सदस्य राजेन्द्र सिंह परिहार ने अपने बसस्टैंड पर स्तिथ वेयरहाउस पर अल्पाहार कर कावड़ियों का स्वागत किया एवं जिला महामंत्री दिनेश अग्रवाल ने अपने प्रतिष्ठान पर निमचौक पर

शिवभक्त मण्डल डग के अध्यक्ष हर्षवर्धन सोनी ने अभिनंदन किया रामद्वारे पर कालुलाल लोधा एवं डगेश्वरी माता मंदिर पर जयसवाल परिवार ने स्वागत किया,साथ ही क्यासरा महादेव में समाजसेवी रमेश चन्द्र शर्मा कैशियर ने स्वागत किया एवं चेतराज गहलोत ने स्वागत किया एवं विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया।विधायक मेघवाल ने कांवड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी श्रद्धा और समर्पण को नमन किया।यात्रा के दौरान पूरा वातावरण 'हर हर महादेव' और'बोल बम'के जयघोष से गूंज उठा।श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के भजनों पर नृत्य करते हुए भक्ति का माहौल बना दिया।

● **सेवा और एकता का संदेश**

इस अवसर पर विधायक क्षेत्रीय विधायक मेघवाल ने कहा कि ''भगवान शिव की भक्ति हमें सेवा,समर्पण, सद्भाव और जनकल्याण की प्रेरणा देती है। कावड़ यात्रा हमारी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करने के साथ-साथ समाज में भाईचारे और एकता का संदेश भी देती है।''

उन्होंने सभी कांवड़ यात्रियों, शिवभक्तों एवं आयोजक शिवभक्त सेवा मंडल एवं श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए भगवान भोलेनाथ से क्षेत्र में सुख-शांति,समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।यात्रा के दौरान पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। श्रद्धालुओं में पूरे दिन विशेष उत्साह और भक्ति का माहौल बना रहा।

कावड़ मेले को सकुशल रूप से संपन्न कराने के लिए खुद मैदान में उतरे एसएसपी

चमकता राजस्थान/देहरादून।(दीपक शर्मा बामनवास)। कांवड़ मेले को सकुशल संपन्न करवाने के लिए एसएसपी परमेंद्र डोभाल ने बागडोर अपने हाथों में ली उन्होंने यात्रा आये श्रद्धालुओं को फूल माला पहनाकर भक्तों का स्वागत कर

फल,मिष्ठान तथा पेय पदार्थ वितरित कर सुरक्षित एवं सुगम यात्रा के लिए दी अपनी शुभकामनाएं दी। श्रद्धालुओं से वार्ता कर उनकी यात्रा के संबंध में जानकारी ली। ऋषिकेश, रायवाला तथा रानीपोखरी क्षेत्र का भ्रमण कर कावंड मेले में पुलिस व्यवस्थाओं का जायजा लेकर कावंड मेले के अंतिम पड़ाव में श्रद्धालुओं के भीड़ बढ़ने के दृष्टिगत सुरक्षा के समुचित प्रबंध सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिए। कांवड़ मेले में सेवा कर रहे पुलिसकर्मियों से वार्ता कर उनका उत्साहवर्धन किया साथ ही सेवा के साथ- साथ अपने स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक रहने तथा पूर्ण निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के सभी अधीनस्थ अधिकारियों,कर्मचारियों को निर्देश दिए।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के चेयरमैन हरसहाय यादव के निर्देशानुसार

चमकता राजस्थान

मनीष मेहता जोधपुर। जोधपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग की कांग्रेस कार्यालय में अति आवश्यक बैठक सम्पन्न हुई।जिसमें आगामी नगर निकाय चुनाव की जल्द ही घोषणा होने वाली है।ओबीसी जिलाध्यक्ष नरेंद्र शर्मा ने कहा कि अभी हाल ही में ओबीसी राजनीतिक प्रतिनिधित्व आयोग द्वारा आनन फानन में सिर्फ 13दिनों में सर्वे रिर्पोट जो

आयोग ढाई सालों में कुछ नहीं कर सका राजस्थान सरकार सर्वे रिर्पोट का बहाना करती रही।आखिर में सर्वे रिर्पोट 5तारीख को राजस्थान सरकार को सौंप दी गई।बीजेपी की सरकार शुरू से सही चुनाव कराने की नियत नहीं थी। आयोग की रिपोर्ट आने से पहले ही 21% आरक्षण देने की बात कही जो पहले भी 21% थी तो फिर करोड़ो रुपये ओर समय क्यों खराब किया। शर्मा ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी ने कहा कि शिक्षित बनो,संगठित रहो ओर संघर्ष करो इसी बात को कहते हुए सभी पदाधिकारियों और ओबीसी परिवार को कहा कि सभी को संगठित हो कर काम करना पड़ेगा ताकि हमें सामाजिक, शैक्षणिक,राजनीतिक ओर आर्थिक अधिकार मिल सके।

लखीसराय में जाम की समस्या के समाधान हेतु परिवहन विभाग लखीसराय की कार्रवाई

चमकता राजस्थान/लखीसराय से सौरव कुमार। लखीसराय रेलवे स्टेशन के समीप यातायात पोस्ट के सामने वाहनों की पार्किंग पूर्णतः वर्जित है। जाम की समस्या को नियंत्रित करने के उद्देश्य से परिवहन विभाग की टीम द्वारा औचक जांच की गई। इस दौरान यातायात में बाधा उत्पन्न करने वाले टोटो के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की गई। उक्त कार्रवाई के दौरान सड़क पर गलत ढंग से पार्क किए गए 7 मोटरसाइकिलों के विरुद्ध चालान की कार्रवाई की गई। साथ ही, भविष्य में गलत ढंग से वाहन पार्क कर यातायात बाधित करने वाले वाहनों के पंजीकरण को रद्द करने हेतु नियमानुसार अनुशंसा की जाएगी। जिला परिवहन पदाधिकारी ने आमजन से अपील की कि टोटो चालकों को अवैध पार्किंग, यातायात बाधित करने वाली पार्किंग से बचने तथा निर्धारित लेन में वाहन चलाने के लिए जागरूक करें। आमजन ने यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने एवं अनुशासन का पालन करने का भरोसा दिलाया।

जिला परिवहन पदाधिकारी ने टोटो स्वामियों से भी अनुरोध किया कि अपने टोटो का परिचालन किसी भी परिस्थिति में नाबालिग से न करवाएं तथा यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करें।

तिरगा यात्रा कों सफल बनाने के लिए भाजपा ने बनाए संयोजक

चमकता राजस्थान

दौसा।(ब्यूरो दीपक शर्मा बामनवास)। भाजपा जिला अध्यक्ष लक्ष्मी रैला की अनुशंसा पर, 'तिरंगा यात्रा' के सफल आयोजन हेतु मंडल पदाधिकारियों की घोषणा की गई है,तिरगा यात्रा के जिला संयोजक लेखपाल कसाना ने बताया कि

● **विधानसभा सिकराय**

सिकन्दरा से संयोजक वीरेन्द्र दडगस,सह-संयोजक दिनेश भोमिया,अमित डोई

सिकराय से संयोजक मोहन दाउजी,सह-संयोजक अशोक प्रजापत,प्यारीदेवी महावर

गीजगढ़ से संयोजक समेर जोध्या,सह-संयोजक राहुल खटीक,रामबाबु शर्मा

भाडारेज से संयोजक मुकेश गुप्ता,सह-संयोजक नारायणलाल महावर,बिरदीचदं सैनी,आलुदा-संयोजक विमलेस अवस्थि,सह संयोजक शंभु मीणा,देवकरण गुर्जर,बहरावंडा-संयोजक मयंक टोरडा,सह-संयोजकशिवदत्त जैमन,घनश्याम गुर्जर

● **विधानसभा महवा**

महुवा शहर से संयोजक श्याम सुदंर सारवान,सह-संयोजक सुशील कुमार सैन,लोकेश महावर महवा देहात से संयोजक गणेश समलेटी,सह-संयोजक रुपसिंह हुडला,

खेडला से संयोजक हेमराज चौधरी,सह-संयोजक केशव गुर्जर,रामवीर गुर्जर

मंडावर से संयोजक सोनु बशिष्ठ,सह-संयोजक मुकेश साहु,नेमिचन्द सैनी

बैजुपाडा से संयोजक नन्दकिशोर शर्मा,सह-संयोजक अजय कल्याणवत,शिवचरण मीणा

● **विधानसभा दौसा**

दौसा शहर से संयोजक नवीन शर्मा,सह-संयोजक बनवारीलाल बैरवा,विजय कुमार बैरवा लवान से संयोजक कालु सैनी,सह-संयोजक प्रहलाद सिसोदिया,बनेसिह गुर्जर,

कुण्डल से संयोजक सुगन मीणा,सह-संयोजक पवन कुमार शर्मा,अनिल सैनी

सैंथल से संयोजक रामकिशन करोड़ी सह-संयोजक नहनुराम,

नांगल राजावत से संयोजक रामलाल मीणा,सह-संयोजक रामचरण बैरवा,अशोक सैन

● **विधानसभा लालसोट**

रामगढ़ पचवारा से संयोजक शम्भुलाल शर्मा,सह-संयोजक लड्डुराम मीणा,रामखिलाडी मीणा राहुवास से संयोजक माल सिंह,सह-संयोजक रत्तिराम,रामस्वरुप,दौलतपुरा से संयोजक हरिनारायण मीणा,सह-संयोजक चद्रमल मीणा,राकेश मीणा,लालसोट देहात से संयोजक कैलाश शिवाजी,सह-संयोजक लहरी गुर्जर,मोहन मीणा बगडी लालसोट शहर से संयोजक विनोद कोरका,सह-संयोजक विनोद सोनी,महेन्द्र जैन

● **विधानसभा बांदिकुई**

बादिकुई शहर से संयोजक राजेश सेठी,सह संयोजक रामप्रताप सैनी,मनोज कुमार शर्मा,बसवा से सयोजक मुकेश कुमार सैनी,सह संयोजक शिव कुमार शर्मा,राजेश कुमार सैनी,बडियाल कला से संयोजक इन्द्रराज मीणा,सह संयोजक मिठ्ठनलाल सैनी,कैलाश शर्मा विवाई,आभानेरी से संयोजक विमलेश शर्मा,सह संयोजक राजु सैनी,जन्नु सैनी,गुढाकटला से संयोजक नरेश कुमार सैनी,सह संयोजक सुरेश शर्मा,टुंडाराम मीणा को नियुक्त किया गया।

गुरु रविदास जयंती पर मनोहरपुर में गूंजा समरसता का संदेश

मनोहरपुर, त्रिवेणी, अमरसर व खेजरोली में कलश वंदन यात्रा; जगह-जगह पुष्पवर्षा से हुआ भव्य स्वागत

चमकता राजस्थान

मनोहरपुर। (खलील कुरैशी) संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में भाजपा की ओर से चलाए जा रहे समरसता संकल्प अभियान के तहत मनोहरपुर, त्रिवेणी, अमरसर एवं खेजरोली में कलश वंदन यात्रा निकाली गई। मनोहरपुर में यात्रा का शुभारंभ अंबेडकर नगर स्थित गंगा माता मंदिर परिसर से हुआ। यात्रा के पहुंचने पर श्रद्धालुओं, कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय लोगों ने आत्मीय स्वागत किया तथा मार्ग में जगह-जगह पुष्पवर्षा कर भव्य अभिनंदन किया जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह के नेतृत्व में शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र में यात्रा का आगाज हुआ। यात्रा के विधानसभा प्रभारी एडवोकेट बीएस बेनीवाल ने बताया कि अभियान का उद्देश्य गुरु रविदास महाराज के सामाजिक समरसता, समानता और भाईचारे के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है।

● रविदास जी के विचार समाज को जोड़ने की प्रेरणा : राव राजेंद्र

मुख्य अतिथि सांसद राव राजेंद्र सिंह ने कहा कि भारतीय संस्कृति, सभ्यता और संतों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से समरसता संकल्प यात्रा निकाली जा रही है। संत रविदास महाराज ने समाज को समानता, भाईचारे और समरसता का मार्ग दिखाया। उनके विचार आज भी सामाजिक एकता के लिए प्रेरणादायी हैं।

● समरसता से ही मजबूत होगा समाज : आलोक बेनीवाल

पूर्व विधायक आलोक बेनीवाल ने कहा कि संत रविदास महाराज ने समाज को जाति-पंथ और भेदभाव से ऊपर उठकर एकता, समानता और भाईचारे के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। उनके आदर्शों को आत्मसात कर ही मजबूत और समरस समाज का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं और नई पीढ़ी को संतों के विचारों एवं भारतीय संस्कृति से जोड़ने का अवसर मिलता है।कार्यक्रम में भाजपा जयपुर देहात उत्तर जिलाध्यक्ष जितेंद्र शर्मा, भाजपा विधायक प्रत्याशी उपेन यादव, प्रवक्ता गुड्डू सैनी, मंडल अध्यक्ष रामचंद्र यादव, लोकसभा यात्रा प्रभारी एडवोकेट रघुवीर सिंह चौधरी सहित पदाधिकारियों ने भी विचार व्यक्त किए।

● ये गणमान्यजन रहें मौजूद

इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष सरदार रणधीर सिंह, मंडल संयोजक उपेंद्र आत्रेय, बादाम बैरवा, संत प्रभुनाथ महाराज, पूर्व मंडल अध्यक्ष पूरणमल बेनीवाल, संतोष माधानी, जमील खान चौहान, पूर्व प्रधान शंकरलाल यादव सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

● समरसता खीर बनी आयोजन का आकर्षण

कार्यक्रम के समापन पर युवाओं की ओर से समरसता खीर तैयार की गई, जिसे प्रसादी के रूप में वितरित किया गया। आयोजन के माध्यम से सामाजिक सद्भाव, समानता और भाईचारे का सकारात्मक संदेश दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

अब्दुल लतीफ आरको को राजस्थान-गुजरात की कमान

- इंटक के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त होने के बाद मिली अहम जिम्मेदारी,
- मजदूर हितों की रक्षा और संगठन विस्तार पर रहेगा फोकस

चमकता राजस्थान/जयपुर। (खलील कुरैशी) भारतीय राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस महासंघ (इंटक) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हौशिलाप्रसाद शर्मा के आदेशानुसार राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अब्दुल लतीफ आरको को राजस्थान एवं गुजरात का कार्यभार सौंपा गया है। उन्हें दोनों राज्यों में इंटक के संगठनात्मक विस्तार के साथ विभिन्न मजदूर संघों को साथ लेकर श्रमिक हितों एवं अधिकारों की रक्षा करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है।आरको ने कहा कि वे इस जिम्मेदारी का पूरी तन्मयता, निष्ठा और सेवाभाव से निर्वहन करेंगे। उनका प्रयास रहेगा कि सभी मजदूर संघों को एकजुट कर श्रमिकों की समस्याओं एवं हितों के लिए प्रभावी मंच तैयार किया जाए तथा राजस्थान एवं गुजरात में इंटक को मजबूत बनाया जाए।उन्होंने इंटक के साथ जुड़कर कार्य करने के इच्छुक मजदूर संघों एवं श्रमिक प्रतिनिधियों से संपर्क करने की अपील की। आरको ने कहा कि संगठन को कर्मठ, समर्पित और सेवाभावी साथियों की आवश्यकता है। वर्तमान में संगठन की टीम के गठन की प्रक्रिया जारी है तथा विभिन्न पदों पर नियुक्तियां की जानी शेष हैं।

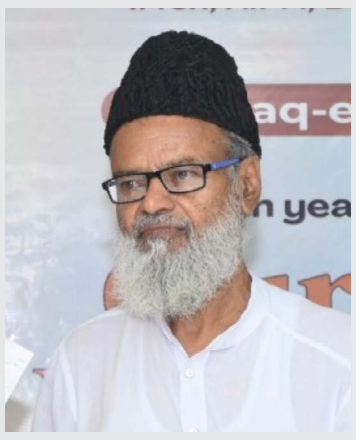

मचकुंड की टेकरी पर फिर लहलहाया बरगद, पर्यावरण प्रेमियों ने किया पुनः पौधारोपण

चमकता राजस्थान/धौलपुर ब्यूरो चीफ :रामदास तरुण। पर्यावरण संरक्षण और वृक्षों के प्रति संवेदनशीलता की मिसाल पेश करते हुए मचकुंड चढ़ाई स्थित मरम टेकरी पर शनिवार को बरगद के पौधे का पुनः रोपण किया गया। इससे पूर्व जून 2026 में पर्यावरण दिवस के अवसर पर इसी स्थान पर नगर परिषद धौलपुर के एठ गुमान सिंह सैनी एवं गायत्री परिवार धौलपुर के फाउंडर मेंबर नौवत लाल कैन द्वारा बरगद का पौधा रोपित किया गया था, लेकिन किन्हीं कारणों से वह पौधा सूख गया। गायत्री परिवार धौलपुर के फाउंडर मेंबर नौवत लाल कैन की प्रेरणा से पर्यावरण प्रेमी डॉ. उदल सिंह ने नर्सरी से करीब 400 रुपये का बरगद का पौधा खरीदकर उसी स्थान पर पुनः पौधारोपण किया। इस अवसर पर पौधे के संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन का संकल्प भी लिया गया। पौधारोपण कार्यक्रम में डॉ. उदल सिंह, नगर परिषद धौलपुर के एठ गुमान सिंह सैनी तथा डॉ. उदल सिंह के सुपुत्र बंटी ने समय, श्रम और सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम की संयोजन एवं व्यवस्था की जिम्मेदारी नौवत लाल कैन ने संभाली। यह पौधारोपण कार्यक्रम शनिवार 8 अगस्त 2026 को प्रातः 8:30 बजे से 10 बजे तक मचकुंड चढ़ाई स्थित मरम टेकरी पर संपन्न हुआ। उपस्थित पर्यावरण प्रेमियों ने कहा कि पौधा लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसकी नियमित देखभाल और संरक्षण करना भी प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। बरगद जैसे विशाल एवं दीर्घजीवी वृक्ष पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक विरासत भी हैं।कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने बरगद के पौधे की नियमित देखभाल करने और उसे संरक्षित कर एक विशाल वृक्ष का रूप देने का संकल्प लिया।

सूने मकानों को निशाना बनाकर चोरी की वारदातों को देते थे अंजाम

जामडोली पुलिस को मिली की बड़ी सफलता: संगठित चोरी गिरोह का हुआ पर्दाफाश

दो सगे भाई शातिर चोर गिरफ्तार

चांदी के जेवरात, गैस सिलेंडर, मिक्सी, मोबाइल सहित चोरी का सामान व तीन मोटरसाइकिल बरामद

चमकता राजस्थान

जयपुर। (खलील कुरैशी)जिला जयपुर पूर्व में सूने मकानों एवं मोटरसाइकिल चोरी की लगातार बढ़ रही वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजिता शर्मा (आईपीएस) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व पारस जैन के मार्गदर्शन एवं सहायक पुलिस आयुक्त आदर्श नगर सुरेन्द्र सिंह बागड़वा के निकट सुपरविजन में जामडोली थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए संगठित चोरी गिरोह का पर्दाफाश किया है।थानाधिकारी रतनसिंह कंवरिया के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने कार्रवाई करते हुए दो शातिर सगे भाइयों मनीष शर्मा (28) एवं हंसराज शर्मा उर्फ भूरिया (24) को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए चांदी के जेवरात, गैस सिलेंडर, मिक्सी, मोबाइल फोन सहित अन्य सामान तथा तीन मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। सीसीटीवी फुटेज, निगरानी और तकनीकी पड़ताल से मिली सफलता पुलिस टीम ने थाना क्षेत्र में सूने मकानों में हुई चोरी एवं मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं वाले स्थानों को चिन्हित कर लगातार निगरानी रखी। घटनास्थलों के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर रूट मैप तैयार किया गया तथा पूर्व के मामलों मेंचालानशुदा आरोपियों की गतिविधियों पर भी निगरानी रखी गई। मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर सूचना संकलन के बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

थानाधिकारी के नेतृत्व में टीम की सक्रिय भूमिका

इस कार्रवाई में थानाधिकारी रतनसिंह कंवरिया के नेतृत्व में कांस्टेबल भगवानसिंह (883), महेश कुमार (6231), पवन कुमार (4920) एवं राकेश कुमार (2829) की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आरोपियों की गिरफ्तारी एवं चोरी का सामान बरामद करने में कांस्टेबलभगवानसिंह, महेश कुमार और पवन कुमार की विशेष भूमिका रही।पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के साथ-साथ संगठित रूप से अपराध करने वाले आरोपियों के विरुद्ध सख्त एवं प्रभावी पुलिस कार्रवाई का संदेश गया है।

पूछताछ में कई वारदातों का खुलासा

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने जामडोली, कानोता एवं खो-नागोरियान थाना क्षेत्रों में सूने मकानों को चिन्हित कर चोरी करने की वारदातें स्वीकार की हैं। आरोपियों ने बताया कि जिन मकानों में कीमती सामान नहीं मिलता था, वहां से गैस सिलेंडर, मिक्सी, मोटरसाइकिल एवं अन्य सामान चोरी करते थे।

दोनों आरोपी सगे भाई हैं और संगठित गिरोह बनाकर चोरी की वारदातों को देते हैं अंजाम

पुलिस के अनुसार दोनों के विरुद्ध चोरी के करीब एक दर्जन प्रकरण दर्ज हैं तथा उनके आपराधिक रिकॉर्ड की पड़ताल की जा रही है। आरोपियों से पूछताछ में चोरी की अन्य वारदातों के खुलासे एवं अतिरिक्त बरामदगी की संभावना है। दोनों के विरुद्ध धारा 111 बीएनएस के तहत भी कार्रवाई जारी है।

खेजड़ली, फिटकासनी व बिरामी में किसान गोष्ठी, कातरा नियंत्रण को लेकर कृषि विभाग ने दी सलाह

चमकता राजस्थान/राजू भाई सागासनी / ब्यूरो चीफ, जोधपुर। कृषि विभाग की टीम की ओर से खेजड़ली, फिटकासनी एवं बिरामी गांवों में कातरा नियंत्रण एवं प्रबंधन को लेकर किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में कृषि अधिकारी नेमाराम पटेल, सहायक कृषि अधिकारी ममता कुमारी तथा कृषि पर्यवेक्षक भीख सिंह, गोविन्द सिंह, श्रवण चौधरी एवं सपना सहित कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों को कातरा की रोकथाम एवं प्रभावी प्रबंधन की जानकारी दी। कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों को सलाह दी कि कातरा की छोटी लटों के नियंत्रण के लिए क्यूनॉलफॉस 1.5 प्रतिशत चूर्ण का 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से भुरकाव किया जाए। अधिकारियों ने बताया कि बंजर भूमि अथवा चारागाह में उगे जंगली पौधों से खेतों में कातरा की लटों के आगमन को रोकने के लिए खेत के चारों ओर खाइयां खोदकर उनमें क्यूनॉलफॉस 1.5 प्रतिशत चूर्ण का भुरकाव किया जा सकता है, जिससे खाई में आने वाली लटों को नष्ट किया जा सके।

जहां सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो, वहां कातरा नियंत्रण के लिए विभागीय सलाह के अनुसार डाईक्लोरोवॉस 76 ई.सी. 300 मिलीलीटर, क्यूनॉलफॉस 25 ई.सी. 625 मिलीलीटर अथवा क्लोरपायरफॉस 20 ई.सी. एक लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करने की सलाह दी गई। कृषि विभाग ने किसानों से फसल में कातरा के प्रारंभिक प्रकोप की नियमित निगरानी करने तथा समय रहते नियंत्रण उपाय अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सरपंच प्रशासक प्रतिनिधि हापूराम गोदारा, अनोपसिंह जी भगतासनी, भंवरलाल गोदारा, भाकरराम बैनीवाल, कंवराराम सैन एवं राजू भाई सागासनी सहित अन्य ग्रामीणों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय कवि कमल मनोहर का जन्मदिन भजन संध्या के साथ धूमधाम से मनाया

भाजपा जिलाध्यक्ष जितेन्द्र शर्मा ने दी शुभकामनाएं:कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर मनाया उत्सव

चमकता राजस्थान

नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में हुआ संगीतमय आयोजन:भाजपा पदाधिकारियों एवं समाजसेवियों ने की शिरकत

मनोहरपुर। (खलील कुरैशी) जयपुर ग्रामीण के कस्बे मनोहरपुर की शान और राष्ट्रीय कवि कमल मनोहर का जन्मदिन मनोहरपुर में धार्मिक एवं सांस्कृतिक उल्लास के साथ मनाया गया। धूलेश्वर कॉलोनी स्थित भगवान नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में संगीतमय भजन संध्या एवं प्रसादी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में भाजपा जिला उत्तर के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष जितेन्द्र शर्मा के मनोहरपुर आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर स्वागत किया और मिठाई वितरित की। इस दौरान जिलाध्यक्ष जितेन्द्र शर्मा ने कवि कमल मनोहर को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि कमल मनोहर साहित्य और काव्य के माध्यम से समाज में सकारात्मक संदेश पहुंचाने का सराहनीय कार्य कर रहे हैं।

● भाजपा पदाधिकारियों व सामाजिक कार्यकर्ताओं की रही मौजूदगी

जिलाध्यक्ष के सम्मान समारोह में भाजपा नेता एवं समाजसेवी मुकेश यादव, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता गुड्डू सैनी, शाहपुरा नगर परिषद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि रविश खटाना, पूर्व प्रधान एवं किसान भाजपा नेता रघुवीर चौधरी, ताराचंद चौधरी, पूर्व मंडल अध्यक्ष पूरण बेनीवाल, रामप्रकाश नाई, कल्याण बक्श गुर्जर, ओम पटवा, रामजीलाल चौधरी, गौरीशंकर हरितवाल, ब्राह्मण समाज अध्यक्ष सहित सैनी समाज के गोपाल सैनी व महेश सैनी, प्रजापति समाज के संतोष व महावीर, बसंत पंच, रोहित गुर्जर, संदेश गोयल सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। गौरतलब है कि भजन संध्या में श्रद्धालुओं ने भक्तिमय प्रस्तुतियों का आनंद लिया। कार्यक्रम के समापन पर प्रसादी वितरित की गई। आयोजन ने धार्मिक आस्था, साहित्यिक सरोकार और सामाजिक सहभागिता का सुंदर संदेश दिया।

जमवारामगढ़ में गूंजा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प, 10 गांवों में हुआ सघन वृक्षारोपण

'पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ अभियान - 2026' के तहत पौधारोपण के साथ ग्रामीणों को किया पौधा वितरण

- **पौधे लगाना ही नहीं, पेड़ बनने तक संरक्षण जरूरी:- सुमन मीणा**
- **डॉ. हरसहाय मीणा का सकारात्मक संदेश:'सांसें हो रही हैं कम, आओ पेड़ लगाएं हम'**

चमकता राजस्थान

जमवारामगढ़, जयपुर। (खलील कुरैशी) पर्यावरण संरक्षण, हरियाली विस्तार और आमजन को पौधारोपण के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से श्री लक्ष्मीनारायण मीणा मेमोरियल ट्रस्ट, कांदियावाला एवं टीम सुमन मीणा (ट्रस्ट) के संयुक्त तत्वावधान में 'पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ अभियान - 2026' के तहत शनिवार को जमवारामगढ़ क्षेत्र में व्यापक वृक्षारोपण एवं पौधा-वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।अभियान के दौरान क्षेत्र के 10 गांवों में पौधारोपण कर ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया गया।कार्यक्रम की शुरुआत कांदियावाला से हुई। इसके बाद खीवास, गाबली, बिरासना, थलाइ,

आंधी, रामजीपुरा, कोलीवाड़ा, ईश्वरसिंहपुरा, फूटेलाव और लालवास में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पौधारोपण एवं पौधा वितरण किया गया। अभियान में सैकड़ों किसानों, पर्यावरण प्रेमियों एवं ट्रस्ट कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

पौधे लगाना ही नहीं, उन्हें पेड़ बनाना हमारा संकल्प:- सुमन मीणा

अभियान के संयोजक सुमन मीणा ने कहा कि पेड़ केवल पर्यावरण का आधार नहीं, बल्कि मानव जीवन का आधार हैं। बढ़ते प्रदूषण और लगातार घटती हरियाली को देखते हुए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में पौधा लगाने के साथ उसकी नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि उन्हें पेड़ बनने तक सुरक्षित रखना है। उन्होंने आमजन से आ''ान किया कि प्रत्येक व्यक्ति प्रतिवर्ष कम से कम दो पौधे लगाए और उनके संरक्षण की जिम्मेदारी निभाए। उन्होंने अभियान का संदेश देते हुए कहा''हर साल दो पेड़ लगाएं, धरती मां का कर्ज चुकाएं—पहला पेड़ अपने लिए, दूसरा पेड़ अपनों के लिए लगाएं।''

सांसें हो रही हैं कम, आओ पेड़ लगाएं हम:- डॉ. हरसहाय मीणा

डॉ. हरसहाय मीणा ने किया सामूहिक भागीदारी का आ''ान ट्रस्ट के संरक्षक एवं आईएएस अधिकारी डॉ. हरसहाय मीणा ने क्षेत्रवासियों, युवाओं, जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं से पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि हरियाली और पर्यावरण की रक्षा किसी एक व्यक्ति या संस्था की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रत्येक व्यक्ति अपने आसपास पौधे लगाए और उनकी नियमित देखभाल करे, तभी पौधारोपण का वास्तविक उद्देश्य पूरा होगा।उन्होंने प्रेरक संदेश देते हुए कहा''सांसें हो रही हैं कम, आओ पेड़ लगाएं हम।''अभियान के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण, हरियाली संवर्धन और पौधों के संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में किसानों, युवाओं और पर्यावरण प्रेमियों की सक्रिय भागीदारी ने अभियान को जनअभियान का स्वरूप प्रदान किया।

संक्षिप्त समाचार

स्थानांतरण आदेश के पालन की मांग, प्रमुख शासन सचिव को भेजा प्रार्थना पत्र

चमकता राजस्थान/रायसिंहनगर (जिला संवाददाता संजय बिश्नोई)। पंचायत समिति रायसिंहनगर में कार्यरत सहायक विकास अधिकारी श्री कमलकांत स्वर्णकार के स्थानांतरण आदेश के पालन को लेकर प्रमुख शासन सचिव, पंचायती राज विभाग, राजस्थान, जयपुर को एक प्रार्थना पत्र भेजा गया है। प्रार्थना पत्र में उल्लेख किया गया है कि पंचायती राज विभाग के आदेश क्रमांक एफ.28(1) पी एनआर/प्रशासन-2/2026/85630 दिनांक 10 जुलाई 2026 के अनुसार श्री कमलकांत स्वर्णकार का स्थानांतरण पंचायत समिति रायसिंहनगर (जिला श्रीगंगानगर) से पंचायत समिति टिब्बी (जिला हनुमानगढ़) किया गया था। शिकायतकर्ता पुजारी रामचंद्र का आरोप है कि स्थानांतरण आदेश जारी होने के बावजूद उन्हें अब भी रायसिंहनगर में कार्य करने दिया जा रहा है। शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि श्री स्वर्णकार लंबे समय तक पंचायत समिति रायसिंहनगर में पदस्थापित रहे हैं तथा उनके विरुद्ध कई शिकायतें और जांच संबंधी आपत्तियाँ लंबित हैं। प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि यदि स्थानांतरण आदेश लागू नहीं किया गया है, तो इससे विभागीय आदेशों की पालना और प्रशासनिक निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं। प्रार्थना पत्र में प्रमुख शासन सचिव से मांग की गई है कि 10 जुलाई 2026 के स्थानांतरण आदेश का तत्काल पालन सुनिश्चित कराया जाए, संबंधित अधिकारी को रायसिंहनगर से कार्यमुक्त कर टिब्बी में कार्यभार ग्रहण करवाया जाए तथा आदेश का पालन न होने की स्थिति में जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय कर विभागीय कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही यह भी अनुरोध किया गया है कि यदि स्थानांतरण आदेश में किसी प्रकार का संशोधन, स्थगन या निरस्तीकरण किया गया हो, तो उसकी प्रमाणित प्रति उपलब्ध कराई जाए तथा प्रार्थना पत्र पर की गई कार्रवाई से शिकायतकर्ता को अवगत कराया जाए।

समाचार लिखे जाने तक विभाग की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हुई थी।

मेघ रिख जयंती समारोह को लेकर सामाजिक कार्यक्रमों में विशेष चर्चा, समाजबंधुओं में उत्साह

चमकता राजस्थान/राजू भाई सागासनी ब्यूरो चीफ जोधपुर। मेघ रिख जयंती समारोह को लेकर सामाजिक कार्यक्रमों में विशेष चर्चा की जा रही है। इसी क्रम में जयंती समारोह के अध्यक्ष कालूराम सोनेल एवं कार्यक्रम संयोजक सोहनलाल लखानी ने शनिवार को तिवारी, गुड़ा बिश्नोइयां में श्री खेराजराम पवार, खाराबेरा भीमवता में श्री आशूराम तथा नंदवान में श्री पुनाराम बोचिया के सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेकर मेघ रिख जयंती समारोह को लेकर समाजबंधुओं से विस्तृत चर्चा की। इस दौरान समारोह अध्यक्ष कालूराम सोनेल ने उपस्थित समाजबंधुओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में मेघ रिख जयंती समारोह की आवश्यकता इसलिए महसूस हुई है, क्योंकि पूर्व में समाज के इतिहास को कई बार अन्य लोगों द्वारा अपनी सुविधा एवं इच्छा के अनुसार लिखा गया। इसके परिणामस्वरूप समाज की कई ऐतिहासिक धरोहरें एवं सांस्कृतिक परंपराएं लिपिबद्ध नहीं हो सकीं।

उन्होंने कहा कि मान्यता के अनुसार मेघ रिख ऐसे महापुरुष थे, जिन्होंने मानव तन को ढकने के लिए कपास उगाकर कपड़ा बनाने की परंपरा की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि समाज में बेरोजगारी एवं नशे की बढ़ती प्रवृत्ति की रोकथाम सहित सामाजिक जागरूकता और एकता के लिए इस प्रकार के आयोजन आवश्यक हैं। उन्होंने बताया कि मेघ महोत्सव के आयोजन से संबंधित आवश्यक प्रशासनिक स्वीकृतियां प्राप्त हो चुकी हैं। कार्यक्रम संयोजक सोहनलाल लखानी ने कहा कि यदि नशे की प्रवृत्ति, विशेषकर एमडी ड्रग्स एवं स्मैक जैसे घातक नशों की रोकथाम के लिए सामूहिक रूप से निर्णय लेकर प्रभावी प्रयास नहीं किए गए तो आने वाले समय में समाज की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि समारोह के दौरान सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक समाज उत्थान से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की जाएगी। इसके बाद रावण चबूतरा मैदान से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो पांचवीं रोड, जालोरी गेट, गोल बिल्डिंग, बी रोड, सत्संग भवन एवं जलजोग चौराहा होते हुए पुनः रावण चबूतरा पहुंचेगी। यहां भोजन प्रसादी के बाद समारोह का समापन किया जाएगा।

संयुक्त प्रशिक्षण, अनुसंधान, विद्यार्थियों की इंटर्नशिप स्टार्टअप एवं नवाचार गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा

एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ और बीटीयू के बीच एमओयू

तकनीकी शिक्षा,शोध, नवाचार और शिक्षकों के प्रशिक्षण को मिलेगा नया आयाम

चमकता राजस्थान

जयपुर/बीकानेर !(खलील कुरैशी) 08 अगस्त। उच्च तकनीकी शिक्षा, अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं नवाचार को नई गति देने की दिशा में राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर), चंडीगढ़ और बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय (बीटीयू), बीकानेर के मध्य महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) हुआ। एनआईटीटीटीआर, चंडीगढ़ में आयोजित समारोह में दोनों संस्थानों के प्रतिनिधियों ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।बीटीयू के जनसंपर्क अधिकारी विक्रम राठौड़ ने बताया कि एमओयू के तहत दोनों संस्थानों के संकाय सदस्यों के लिए संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम, अनुसंधान

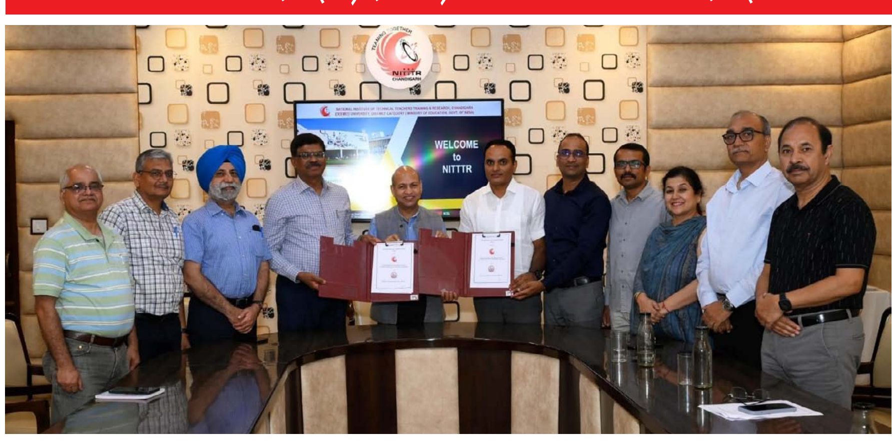

गतिविधियां, विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप, स्टार्टअप एवं नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के साथ विभिन्न शैक्षणिक एवं तकनीकी गतिविधियों में परस्पर सहयोग किया जाएगा। इससे तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में ज्ञान, कौशल और अनुसंधान के आदान-प्रदान को नई दिशा मिलेगी।समारोह में एनआईटीटीटीआर, चंडीगढ़ के निदेशक प्रो. भोलाराम गुर्जर, अधिष्ठाता डॉ. सी. रामाकृष्णा एवं डॉ. मीनाक्षी सूद तथा बीटीयू की ओर से अधिष्ठाता डॉ. गणेश प्रजापत, डॉ. ऋतुराज सोनी एवं डॉ. रानूलाल चौहान उपस्थित रहे।

- **पूर्व एमओयू से भी मिल रही शोध एवं नवाचार को गति**

बीटीयू के कुलगुरु प्रो. अखिल रंजन गर्ग ने एमओयू पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह समझौता विश्वविद्यालय में तकनीकी शिक्षा, शोध, नवाचार एवं शिक्षकों के प्रशिक्षण को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा पूर्व में किए गए एमओयू के तहत संचालित एवं प्रस्तावित शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों की जानकारी भी दी।उन्होंने बताया कि आईआईटीएम, पुणे के साथ हुए एमओयू के तहत शीघ्र ही विश्वविद्यालय परिसर में क्लाइमेट रेफरेंस स्टेशन स्थापित किया जाएगा। वहीं सीईईआरआई, पिलानी के साथ हुए समझौते के अंतर्गत यूजी इंजीनियरिंग विद्यार्थियों के लिए विशेष तकनीकी पाठ्यक्रम शुरू करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।इसके अलावा बीटीयू के संबद्ध महाविद्यालय द्वारा बिट्स पिलानी के साथ किए गए एमओयू के तहत संयुक्त रिसर्च प्रोजेक्ट्स पर भी कार्य जारी है। इन प्रयासों से शोध, नवाचार तथा उद्योग-अकादमिक सहयोग को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व मदन राठौड़ के नेतृत्व में आज निकलेगी भव्य तिरंगा रैली

- **जन-गण-मन और वंदे मातरम् के जयघोष से गूंजेगा जयपुर, करीब 10 हजार नागरिक होंगे सहभागी**
- **शहीदों को श्रद्धांजलि के बाद अल्बर्ट हॉल से शुरू होगी यात्रा, बड़ी चौपड़ पर होगा समापन**

चमकता राजस्थान

जयपुर, 8 अगस्त। (खलील कुरैशी) स्वतंत्रता दिवस की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत जयपुर में रविवार, 9 अगस्त को राज्य स्तरीय विशाल तिरंगा रैली निकाली जाएगी। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष-सांसद मदन राठौड़ के नेतृत्व में आयोजित यह रैली राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और शहीदों के प्रति कृतज्ञता का संदेश देगी जिला कलक्टर संदेश नायक ने बताया कि संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार तथा कला, साहित्य एवं पुरातत्व विभाग, राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार 9 से 17 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।शहीदों को नमन के बाद रैली का शुभारंभ रविवार सुबह करीब 9 बजे केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और सांसद मदन राठौड़ शहीद स्मारक (अमर जवान ज्योति) पर पुष्पांजलि अर्पित कर देश के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि देंगे। इसके पश्चात अल्बर्ट हॉल म्यूजियम से विशाल तिरंगा रैली को रवाना किया जाएगा।

- **अल्बर्ट हॉल से बड़ी चौपड़ तक लहराएगा तिरंगा**

रैली अल्बर्ट हॉल से रामनिवास बाग निकास गेट, सांगानेरी गेट और जौहरी बाजार होते हुए बड़ी चौपड़ पहुंचेगी, जहां इसका समापन होगा। रैली मार्ग पर जन-गण-मन और वंदे मातरम् के जयघोष के बीच तिरंगे के सम्मान और राष्ट्रप्रेम का संदेश गूंजेगा।

- **मुख्यमंत्री का संदेश—राष्ट्रभक्ति को जन-आंदोलन से जोड़ने का प्रयास**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस तिरंगा रैली का उद्देश्य 'हर घर तिरंगा' अभियान को व्यापक जनभागीदारी के साथ जन-आंदोलन का स्वरूप देना है। कार्यक्रम के माध्यम से नागरिकों में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान, देशभक्ति, एकता और राष्ट्रीय गौरव की भावना को और मजबूत करने का संदेश दिया जाएगा।

- **हर वर्ग की होगी भागीदारी**

रैली में जनप्रतिनिधियों के साथ प्रशासन एवं पुलिस, सेना के जवान, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी, एनसीसी, भारतीय स्काउट एवं हिंदुस्तान स्काउट गाइड, माय भारत वॉलंटियर्स, खिलाड़ी, व्यापार संघों के पदाधिकारी, पेंशनर्स, भूतपूर्व सैनिक तथा गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। जिला प्रशासन के अनुसार जयपुर शहर के करीब 10 हजार नागरिकों के रैली में सहभागी बनने की संभावना है।तिरंगे की शान और शहीदों के सम्मान के साथ जयपुर में निकलने वाली यह रैली 'हर घर तिरंगा' अभियान को नई ऊर्जा देने के साथ राष्ट्रीय एकता और अखंडता का प्रभावी संदेश देगी

मानवता की सेवा ओर परोपकार की भावना को चरितार्थ करते हुए स्थानीय राजकीय जे एल एन चिकित्सालय में सेवा का एक अनूठा संगम देखने को मिला जब लायंस क्लब

चमकता राजस्थान

रिपोर्ट मोहम्मद रफीक। नागौर, स्वर्गीय बंसीलाल सोनी की पुण्यतिथि में धर्मपत्नी रामेश्वरी देवी व पुत्र विजय सोनी परिवार द्वारा, राजकीय चिकित्सालय नागौर एवं जिला अंधता निवारण समिति नागौर के सयुक्त तत्वाधान मे दिनांक 06 अगस्त से 08 अगस्त 2026 शनिवार तक आयोजित तीन दिवसीय विशाल निशुल्क नेत्र जांच एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर में दर्जनों लोगों के जीवन से अंधकार मिटाया गया शनिवार को समापन हुए इस शिविर में सेवा का जज्बा उस समय परवान चढ़ा जब डॉ धर्मेन्द्र डूडी व डॉ देवेंद्र शर्मा विशेषज्ञों की देखेंरेख में 35 मरीजों के मोतियाबिंद के सफल

ऑपरेशन के साथ सम्पन्न हुआ समापन समारोह में बोलते हुए जोन चेयरमेन लायन संजय गोयल ने कहा कि किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नेत्र ज्योति दिलाने से बड़ी सेवा कोई नही है उन्होंने कहा कि मानव सेवा व आई कैम्प के प्रति लायंस क्लब नागौर अपनी उत्कृष्ट सेवा कार्य के लिए प्रतिबद्धता, उदारता एवं समर्पण वास्तव में प्रेरणादायक है क्लब का ये अमूल्य सहयोग जरूरत मंद मानवता के प्रति संवेदनशीलता एवं सेवा भावना का सशक्त परिचायक हैं क्लब का यह योगदान विश्व भर मे संचालित मानवीय सेवा परियोजनाओ के माध्यम से अनेक लोगो के जीवन में आशा एवं सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बनेगा और संस्थाओं को भी सेवा ओर सहयोग के लिए प्रेरित करेगा।

नगर निकाय चुनाव-2026 की तैयारियों को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी ने दिए सख्त निर्देश

- **27 प्रकोष्ठों के कार्यों की समीक्षा, समयबद्ध तैयारी और आपसी समन्वय पर जोर**
- **जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने अधिकारियों को दिये आवश्यक दिशा-निर्देश**

चमकता राजस्थान/जयपुर। (खलील कुरैशी) 8 अगस्त। आगामी नगर निकाय आम चुनाव-2026 के सुचारू संचालन को लेकर जिला निर्वाचन प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी (म्यूनिसिपल) संदेश नायक की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में विभिन्न निर्वाचन प्रकोष्ठों के कार्यों एवं तैयारियों की समीक्षा की गई

- **जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने अधिकारियों को दिये आवश्यक दिशा-निर्देश**

।जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की पूर्ण पालना सुनिश्चित करते हुए सभी दायित्व समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी तथा सभी प्रकोष्ठ आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए व्यवस्थाओं को समय रहते अंतिम रूप दें।बैठक में मतदाता सूचियों के अद्यतन एवं पुनरीक्षण, मतदान केन्द्रों की व्यवस्थाओं, मतदान दलों के गठन एवं प्रशिक्षण, निर्वाचन सामग्री एवं ईवीएम, कानून-व्यवस्था, परिवहन, कार्मिक व्यवस्था, मतदाता जागरूकता, आईटी एवं नियंत्रण कक्ष सहित विभिन्न चुनावी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।नायक ने मतदान केन्द्रों पर आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने तथा निर्वाचन व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकाधिक मतदाताओं की भागीदारी के लिए मतदाता जागरूकता गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर भी जोर दिया।उन्होंने सभी प्रकोष्ठ प्रभारियों को अपने दायित्वों के अनुरूप कार्ययोजना तैयार कर निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करने तथा निर्वाचन संबंधी सूचनाओं एवं रिपोर्टों का नियमित संधारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।उल्लेखनीय है कि नगर निकाय आम चुनाव-2026 के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा 27 प्रकोष्ठ गठित किए गए हैं, जिन्हें निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

- **ये वरिष्ठ जिला स्तरीय अधिकारी रहे मौजूद**

बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी मेघराज मीना, एडीएम पूर्व नरेन्द्र वर्मा, एडीएम प्रथम राजीव द्विवेदी, एडीएम जयपुर दक्षिण युगांतर शर्मा, एडीएम चतुर्थ आशीष कुमार, एडीएम जयपुर उत्तर राजेंद्र सिंह डीएसओ प्रियव्रत सिंह चारण सहित संबंधित प्रकोष्ठों के प्रभारी अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली हाईकोर्ट के अनुरोध पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, कोयला घोटाला मामलों की सुनवाई से हटाए गए 2 जज

नई दिल्ली/एजेंसी। दिल्ली में कोयला घोटाले से जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए नियुक्त विशेष न्यायाधीश सुनैना शर्मा को पद संभालने के करीब छह महीने बाद ही हटा दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट के अनुरोध पर सुनैना शर्मा और विशेष सीबीआई न्यायाधीश धीरज मोर को कोयला घोटाला मामलों की विशेष अदालत से हटाने की अनुमति दे दी है। दोनों न्यायिक अधिकारियों को अब दूसरी जिम्मेदारियां दिए जाने की बात कही गई है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाला बागची तथा वी. मोहना की पीठ ने अपने आदेश में कहा कि दिल्ली हाई कोर्ट ने विशेष न्यायाधीश सुनैना शर्मा और धीरज मोर के तबादले का अनुरोध किया था, ताकि उनकी सेवाओं का अन्य जिम्मेदारियों में इस्तेमाल किया जा सके।

सुप्रीम कोर्ट को दिल्ली हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल की ओर से एक पत्र मिला था। इसमें दोनों न्यायिक अधिकारियों को उत्कृष्ट योग्यता वाला बताते हुए कहा गया था कि हाई कोर्ट उनकी सेवाओं का इस्तेमाल अन्य जिम्मेदारियों के लिए करना चाहता है।

सुनैना शर्मा ने इसी साल जनवरी में विशेष कोयला घोटाला अदालत के न्यायाधीश के रूप में पदभार संभाला था। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने तत्कालीन पीठासीन न्यायाधीश संजय बंसल को पद से कार्यमुक्त करने के हाई कोर्ट के अनुरोध को मंजूरी दी थी। बंसल करीब साढ़े चार साल तक विशेष कोयला घोटाला अदालत की अध्यक्षता कर चुके थे।

वहीं, धीरज मोर को अप्रैल 2025 में विशेष न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। इस तरह शर्मा को पद संभाले करीब छह महीने ही हुए थे, जबकि मोर ने एक साल से कुछ अधिक समय ही पूरा किया था।

दिल्ली हाई कोर्ट के अनुरोध को मंजूरी देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने दोनों जजों को सीबीआई कोयला घोटाला मामलों के विशेष न्यायाधीश के पद से हटाने की अनुमति दी। साथ ही, उनकी जगह दो नए न्यायाधीशों की नियुक्ति को भी मंजूरी दी गई।

वीरेंद्र कुमार खर्ता, जो पहले साकेत में एनडीपीएस अदालत के विशेष न्यायाधीश थे, अब सुनैना शर्मा की जगह कार्यभार संभालेंगे। वहीं, अजय गर्ग, जो पहले तीस हजारी स्थित फास्ट-ट्रैक कोर्ट में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश थे, धीरज मोर की जगह नियुक्त किए गए हैं।

शुक्रवार को दिल्ली हाई कोर्ट ने दोनों न्यायाधीशों के तबादले और नई पोस्टिंग से जुड़े आदेश जारी किए। हालांकि, खास बात यह है कि सुनैना शर्मा और धीरज मोर को फिलहाल कोई नई न्यायिक पोस्टिंग नहीं दी गई है। अधिसूचना के मुताबिक, दोनों को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश और सीबीआई सत्र न्यायाधीश के कार्यालय से अटैच किया गया है।

हाई कोर्ट ने दोनों अधिकारियों को निर्देश दिया है कि पदभार छोडने से पहले वे उन सभी मामलों की जानकारी दें, जिनमें फैसले या आदेश सुरक्षित रखे गए हैं। तबादले के बावजूद उन्हें तय तारीख पर या अधिकतम दो से तीन सप्ताह के भीतर इन मामलों में फैसले सुनाने होंगे।

फैसले सुनाने की तारीखें पुरानी और नई दोनों अदालतों की कॉज लिस्ट के साथ-साथ अदालत की वेबसाइट पर भी प्रदर्शित की जाएंगी।

पिछले साल के आंकड़ों के मुताबिक, कोयला घोटाले से संबंधित दो विशेष अदालतों में सीबीआई भ्रष्टाचार के 29 मामले लंबित थे। वहीं, 27 से अधिक मामलों का निपटारा पहले ही किया जा चुका था।

पुलिस के साथ समाज बनेगा नशामुक्ति का प्रहरीः- ज्यैष्ठा मैत्रेयी पुलिस अधीक्षक

नफरत नहीं, प्रेम और अपनत्व से नशे के खिलाफ जंगः सवाई माधोपुर पुलिस का अनूठा 'ड्रग वॉरियर' अभियान शुरू

पहले परिवार, फिर मोहल्ला और गांव को नशामुक्त बनाने का संकल्पः 7 अगस्त से 7 सितंबर तक चलेगा प्रथम चरण

चमकता राजस्थान

जयपुर, 8 अगस्त। (खलील कुरैशी) सवाई माधोपुर पुलिस ने नशे के खिलाफ सामाजिक भागीदारी पर आधारित अनूठा 'ड्रग वॉरियर' अभियान शुरू किया है। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा की नशामुक्त राजस्थान मुहिम से जुड़े इस अभियान को आईजी प्रीति चंद्रा के निर्देशन तथा पुलिस अधीक्षक ज्यैष्ठा मैत्रेयी के नेतृत्व में संचालित किया जा रहा है। अभियान का मूल संदेश है''नफरत से नहीं, प्रेम और अपनत्व से नशे के खिलाफ लड़ाई।''

- **गुप्त सूचना से नशा तस्करों पर शिकंजा**

नागरिक नशा तस्करी, नशे के ठिकानों अथवा बिक्री की जानकारी पुलिस को गोपनीय रूप से दे सकेंगे। सूचना देने वालों की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखने का भरोसा दिया गया है। नागरिक 5, 10, 15, 20 अथवा 25 लोगों की टोली बनाकर एसपी, एएसपी, डीएसपी, थानाधिकारी या बीट कांस्टेबल से जुड़ सकते हैं।

गुप्त सूचना के लिए सवाई माधोपुर पुलिस व्हाट्सऐप नंबर 9352376939 तथा कालिका यूनिट व्हाट्सऐप नंबर 9667973009 जारी किए गए हैं।

पुलिस के साथ समाज बनेगा नशामुक्ति का प्रहरी

एसपी ज्यैष्ठा मैत्रेयी ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है। ''पहले अपना परिवार, फिर मोहल्ला और फिर गांव'' के संकल्प के साथ प्रत्येक नागरिक ड्रग वॉरियर बनकर इस मुहिम से जुड़ सकता है। उन्होंने कहा कि नशे की गिरफ्त में आए व्यक्ति से नफरत करने के बजाय उसकी समस्या को समझकर परिवार और समाज को उसे सहयोग एवं उपचार की दिशा में आगे बढ़ाना चाहिए।अभियान में महिलाओं, युवाओं, परिवारों, शिक्षकों, प्रधानाचार्यों और चिकित्सकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। विद्यालय एवं महाविद्यालय परिसरों को नशामुक्त रखने तथा नशे से प्रभावित विद्यार्थियों एवं परिवारों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया है।

'नशामुक्त बीट' को मिलेगा प्रमाण-पत्र और सम्मान

अभियान के तहत 'नशामुक्त बीट' की अभिनव अवधारणा लागू की गई है। ड्रग वॉरियर द्वारा क्षेत्र में नशे की बिक्री नहीं होने की सूचना के बाद पुलिस टीम सत्यापन करेगी। सफल सत्यापन पर क्षेत्र को नशामुक्त बीट का प्रमाण-पत्र दिया जाएगा। पहली नशामुक्त बीट तथा सर्वाधिक नशामुक्त बीट तैयार करने वाले थानाधिकारी को विशेष सम्मान मिलेगा। संबंधित ड्रग वॉरियर परिवार और बीट कांस्टेबल को भी प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा।

7 सितंबर तक चलेगा प्रथम चरण

अभियान का प्रथम चरण 7 अगस्त से 7 सितंबर 2026 तक चलेगा। इसका उद्देश्य नशे के खिलाफ जागरूकता को बीट स्तर तक पहुंचाने और आमजन को पुलिस का सक्रिय सहयोगी बनाना है। पुलिस का संदेश है कि एक परिवार का संकल्प मोहल्ले और गांव को नशामुक्त बनाने की बड़ी सामाजिक क्रांति की शुरुआत बन सकता है।

जयपुर में 6 सितम्बर को होगा नंदोत्सव का आयोजन

सिद्धगुरुवर सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी के पावन सान्निध्य में...

चमकता राजस्थान

जयपुर। श्री सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन, सिद्धेश्वर सनातन संसार एवं श्रीब्रह्मर्षि आश्रम तिरुपति (जयपुर केंद्र) के संयुक्त तत्वावधान में भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में ₹नंदोत्सव 2026₹ का भव्य आयोजन 6 सितंबर 2026, रविवार) को किया जाएगा। आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ राजेन्द्र सिंह चौधरी ने बताया कि यह आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन श्री ओम सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी के दिव्य सान्निध्य में सम्पन्न होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ सायं 4 बजे से राजधानी के बिलवा पैलेस, टोंक रोड, चौखी ढाणी के पास जयपुर में होगा। डॉ चौधरी ने बताया कि नंदोत्सव के दौरान भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की झांकियां, भजन-कीर्तन, आध्यात्मिक प्रवचन एवं सनातन संस्कृति से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। श्रद्धालुओं के लिए प्रवेश हेतु पूर्व पंजीयन की व्यवस्था की गई है, जिसके लिए आयोजकों ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की सुविधा भी उपलब्ध कराई है। श्री सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन के राष्ट्रीय संयोजक संजय शर्मा ने जयपुर एवं आसपास के श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के इस भव्य आयोजन का पुण्य लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया है। संजय शर्मा ने बताया कि आयोजन से पूर्व तैयारी के लिए आश्रम की प्रथम उपासिका श्रीमती सरला बोथरा 9 अगस्त को सभी गुरु भक्तों को संबोधित करेंगी ।

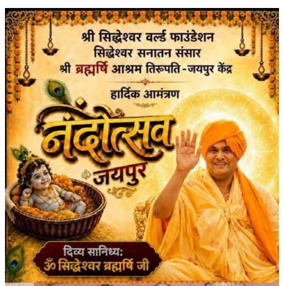

25 वर्षों की यात्रा प्रेरणादायी मिसाल : देवनानी

- **संपर्क संस्थान के रजत जयंती समारोह में 'मैं से हम की ओर' पुस्तक का विमोचन**
- **जीवन के अनुभवों का लेखन सराहनीय, युवा पीढ़ी को सफलता की राह दिखाती हैं ऐसी कृतियां**

चमकता राजस्थानध्ध्जयपुर। (खलील कुरैशी) 8 अगस्त। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शनिवार को किशनगढ़ में संपर्क संस्थान के रजत जयंती समारोह में कृष्ण राठी की कृति 'मैं से हम की ओर' का विमोचन किया। उन्होंने संस्थान की 25 वर्षों की यात्रा को गौरवपूर्ण एवं प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि रजत जयंती जैसे अवसर संस्था के कार्यों का मूल्यांकन कर भविष्य की सशक्त योजनाएं तैयार करने का महत्वपूर्ण अवसर होते हैं।देवनानी ने कहा कि जीवन के अनुभवों को लेखन के माध्यम से समाज तक पहुंचाना सराहनीय कार्य है। ऐसी पुस्तकें अनुभवों और संघर्षों से मिली सीख को नई पीढ़ी तक पहुंचाती हैं तथा युवाओं को सफलता और सकारात्मक सोच की राह दिखाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।उन्होंने संपर्क संस्थान की दीर्घकालीन सामाजिक यात्रा की सराहना करते हुए भविष्य में भी समाजहित के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का आ''ान किया।समारोह में संपर्क संस्थान के अखिल शुक्ला सहित अनेक गणमान्यजन एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

चेन्नई में 16वें InSPA अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में हुआ सम्मान

राजस्थान विश्वविद्यालय की प्रो. प्रेरणा पुरी को प्रतिष्ठित 'प्रो. मंजू ठाकुर लीडरशिप अवॉर्ड'

न्यूरोडाइवर्सिटी, बाल मनोविज्ञान और विशेष शिक्षा पर वैश्विक मंथन

स्कूल मनोविज्ञान सेवाओं में उत्कृष्ट योगदान की राष्ट्रीय पहचान, मानसिक स्वास्थ्य व समावेशी शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ाया राजस्थान का गौरव

चमकता राजस्थान

जयपुर। (खलील कुरैशी) राजस्थान विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. प्रेरणा पुरी को भारत में स्कूल मनोविज्ञान सेवाओं के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय एवं उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित 'प्रो. मंजू ठाकुर लीडरशिप अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि न केवल प्रो. पुरी के समर्पण, नेतृत्व और कार्यों की राष्ट्रीय पहचान है, बल्कि राजस्थान विश्वविद्यालय के लिए भी गौरवपूर्ण उपलब्धि है।प्रो. पुरी का यह सम्मान मानसिक स्वास्थ्य, विशेष शिक्षा और बाल मनोविज्ञान के क्षेत्र में उनकी निरंतर प्रतिबद्धता एवं सार्थक योगदान को रेखांकित करता है। उनका कार्य स्कूल स्तर पर बच्चों की मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं को समझने, उनकी क्षमताओं को पहचानने तथा अधिक संवेदनशील और समावेशी शैक्षणिक वातावरण विकसित करने की दिशा में प्रेरणादायी माना जा रहा है।

चेन्नई में जुटे देश-विदेश के विशेषज्ञ

यह प्रतिष्ठित सम्मान चेन्नई स्थित एन.के.टी. नेशनल कॉलेज ऑफ एजुकेशन फॉर वीमेन में आयोजित 16वें क्क्षरढअ (इंडियन स्कूल साइकोलॉजी एसोसिएशन) अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान प्रदान किया गया। तीन दिवसीय सम्मेलन 5 से 7 अगस्त 2026 तक आयोजित हुआ। सम्मेलन का केंद्रीय विषय ''न्यूरोडाइवर्सिटी को सशक्त बनानाः विविधताओं का उत्सव, क्षमताओं को उजागर करना और समावेशन का निर्माण'' रहा। आयोजन में भारत सहित फिलिस्तीन, जापान, ऑस्ट्रेलिया और मलेशिया से लगभग 300 प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। सम्मेलन में स्कूल मनोविज्ञान, मानसिक स्वास्थ्य, न्यूरोडाइवर्सिटी, विशेष शिक्षा एवं समावेशी विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

- **वैश्विक सहयोग से मजबूत होगा स्कूल मनोविज्ञान**

क्क्षरढअ के अध्यक्ष प्रो. पंचरामालिंगम ने सम्मेलन के उद्देश्यों एवं वैश्विक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य भौगोलिक सीमाओं से परे स्कूल मनोवैज्ञानिकों और परामर्शदाताओं का एक जीवंत वैश्विक समुदाय तैयार करना है, ताकि साझा सीख, अनुभवों केआदान-प्रदान और आपसी सहयोग को बढ़ावा मिल सके।

- **उपलब्धि बनी नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा**

प्रो. प्रेरणा पुरी को मिला यह सम्मान स्कूल मनोविज्ञान के क्षेत्र में कार्य कर रहे शिक्षाविदों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों के लिए उत्साह एवं प्रेरणा का संदेश है। यह उपलब्धि इस बात को भी रेखांकित करती है कि मानसिक स्वास्थ्य और बच्चों के समग्र विकास को केंद्र में रखकर किया गया समर्पित एवं संवेदनशील कार्य व्यापक सामाजिक बदलाव की मजबूत नींव बन सकता है।

महिलाओं की भागीदारी पर राहुल गांधी का वीडियो संदेश, किरेन रिजिजू बोले- उम्मीद है महिला आरक्षण बिल का बिना शर्त करेंगे समर्थन

नई दिल्ली/एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने महिलाओं की आजादी और भागीदारी पर बयान दिया। उन्होंने एक वीडियो जारी कर कहा कि जब तक महिलाएं खुलकर अपनी बात नहीं रख पाएंगी, तब तक कोई भी देश पूरी तरक्की नहीं कर सकता।

राहुल गांधी के इस बयान पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने प्रतिक्रिया देते हुए 'एक्स' पोस्ट में कहा कि कांग्रेस को अब संसद में महिला आरक्षण विधेयक का बिना शर्त समर्थन करने में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए।

दरअसल, राहुल गांधी ने शुक्रवार को 'एक्स' पर एक वीडियो पोस्ट कर में अपनी बात रखी। गुरुवार को भी 'आस्क मी एनीथिंग' सत्र में भी उन्होंने इसी मुद्दे पर बात की थी।

उन्होंने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, मैं सोच रहा था कि भारत की महिलाओं की ऊर्जा फंसी हुई है, उसे व्यक्त करने की इजाजत नहीं है, कल्पना करने की आजादी नहीं है। मेरे लिए कोई भी देश तब तक सफल नहीं हो सकता जब तक वहां की महिलाएं खुद को व्यक्त न कर सकें।

वीडियो में राहुल गांधी ने कहा कि महिलाओं की आवाज दबने से देश की तरक्की पर असर पड़ता है। मेरी राजनीति का एक बड़ा हिस्सा यही है कि लोग समझें कि महिलाओं की अभिव्यक्ति के बिना हमारा देश अधूरा और पिछड़ा है।

राहुल गांधी ने कहा कि महिला सशक्तीकरण सिर्फ बिजनेस या राजनीति तक सीमित नहीं होना चाहिए। यह सिर्फ इस बारे में नहीं है कि महिलाएं बिजनेस या राजनीति में अच्छा करें, बल्कि यह भी है कि वे अपने घरों में, परिवार में और सार्वजनिक जगहों पर खुलकर बोल सकें और सड×कों पर आराम से चल सकें।

उन्होंने आगे कहा, महिलाओं को यह आजादी होनी चाहिए कि वे दूसरों से अलग राय रख सकें, अपने माता-पिता, पति, भाई-बहन से सवाल कर सकें। भारत को सच में विकसित होना है तो पितृसत्ता और पुरुषों के कड़े नियंत्रण से महिलाओं को थोड़ी आजादी मिलनी ही चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

हुकम सिंह आकड़ावास बने पाली जिला खनन विकास एवं उत्थान प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष

चमकता राजस्थान/ ब्यूरो चीफ जेके बावल/ पाली । राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खनन विकास एवं उत्थान प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष आशीष पाल पदावत ने प्रदेश कार्यकारिणी एवं जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की घोषणा की है। जिला प्रवक्ता ताराचंद चंदनानी ने बताया कि नियुक्तियों के तहत हुकम सिंह आकड़ावास को पाली जिला खनन विकास एवं उत्थान प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। संगठन ने उम्मीद जताई कि आकड़ावास अपने अनुभव और सक्रियता के माध्यम से खनन क्षेत्र से जुड़े श्रमिकों, व्यवसायियों एवं आमजन की समस्याओं और हितों की आवाज को मजबूती से उठाएंगे। साथ ही, संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। आकड़ावास की नियुक्ति पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने खुशी जताते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, राज्यसभा सांसद नीरज डांगी, प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष आशीष पाल पदावत, लोकसभा प्रत्याशी संगीता बेनीवाल एवं पाली कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिशुपाल सिंह निम्बाड़ा का आभार व्यक्त किया।

श्रावण मास में दिव्य देव दरबार खीमेल आश्रम में विशेष शिव अनुष्ठान

- **प्रतिदिन सवा लाख मिट्टी के शिवलिंगों का पूजन-अभिषेक, श्रद्धालुओं के नाम-संकल्प की भी व्यवस्था**

चमकता राजस्थान/ब्यूरो चीफ जेके बावल/ खीमेल । श्रावण मास के पावन अवसर पर दिव्य देव दरबार खीमेल आश्रम में विशेष शिव अनुष्ठान का आयोजन किया जा रहा है। 30 जुलाई से 28 अगस्त तक चलने वाले इस धार्मिक अनुष्ठान में प्रतिदिन सवा लाख मिट्टी के शिवलिंगों का विधि-विधान से पूजन एवं अभिषेक किया जाएगा। अनुष्ठान के दौरान भगवान शिव का जलाभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक किया जाएगा। इसके साथ ही बिल्वपत्र, धतूरा, आक सहित विभिन्न पूजन सामग्रियों से भगवान शिव की आराधना की जाएगी। श्रद्धालुओं के नाम एवं संकल्प के साथ प्रतिदिन 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र जाप और आरती का आयोजन भी होगा। आयोजकों के अनुसार, व्यस्तता अथवा दूरी के कारण जो श्रद्धालु नियमित रूप से शिव पूजन में शामिल नहीं हो पाते हैं, उनके लिए नाम-संकल्पित पूजा की विशेष व्यवस्था की गई है। श्रद्धालु अपना नाम, पिता का नाम एवं गोत्र देकर इस धार्मिक अनुष्ठान में संकल्पित पूजा के लिए पंजीकरण करा सकते हैं। आयोजकों ने बताया कि नाम-संकल्प के लिए स्थान सीमित रखे गए हैं। इच्छुक श्रद्धालु समय रहते संपर्क कर इस विशेष शिव अनुष्ठान में सहभागी बन सकते हैं।

वैश्य समाज को एक मंच पर आने का आह्वान

चमकता राजस्थान/जयपुर। वैश्य सेना राजस्थान की ओर से विवेक विहार स्थित संतोषी माता मंदिर में वैश्य समाज को संगठित करने के उद्देश्य से गोठ व आपसी परिचय सम्मेलन आयोजित हुआ। वैश्य सेना के मीडिया प्रभारी डॉ मुकेश गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम में वैश्य समुदाय के विभिन्न वर्गों के सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया और अपनी सहभागिता निभाई। प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र मित्तल व महामंत्री केशव गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह कार्यक्रम समाज की एकता अखंडता और भाईचारे को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है जिसमें समाज के सभी वर्गों के लोगों को शामिल कर उनमें सामाजिक मेलजोल, सहयोग और सद्भावना का भाव जागृत करने का प्रयास किया गया है। इस अवसर पर वैश्य समाज के अग्रवाल,खंडेलवाल,वार्ष्णेय,विजयवर्गीय,माहेश्वरी,जैन,माथुर वैश्य सहित अन्य संगठनों के लोग मौजूद रहे।

अंधेरी बांध परियोजनाः प्रभावित किसानों को न्यायसंगत मुआवजा व पुनर्वास की मांग

विधायक प्रताप सिंह सिंघवी ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

चमकता राजस्थान

छबड़ा/जयपुर। छबड़ा (बारां) से विधायक प्रताप सिंह सिंघवी ने अंधेरी नदी बांध एवं सिंचाई परियोजना के अंतर्गत प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण से प्रभावित किसानों के हक में आवाज उठाई है। उन्होंने राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री को पत्र (पत्रांकः 3847, दिनांकः 08/08/2026) भेजकर किसानों के लिए उचित मुआवजा, पुनर्वास और पुनर्स्थापन सुनिश्चित करने की मांग की है।

विधायक सिंघवी ने पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि अंधेरी बांध परियोजना में जिन किसानों की भूमि अधिग्रहित की जा रही है, वही उनकी आजीविका का मुख्य साधन है। किसानों ने प्रार्थना पत्र सौंपकर अपनी समस्याओं और

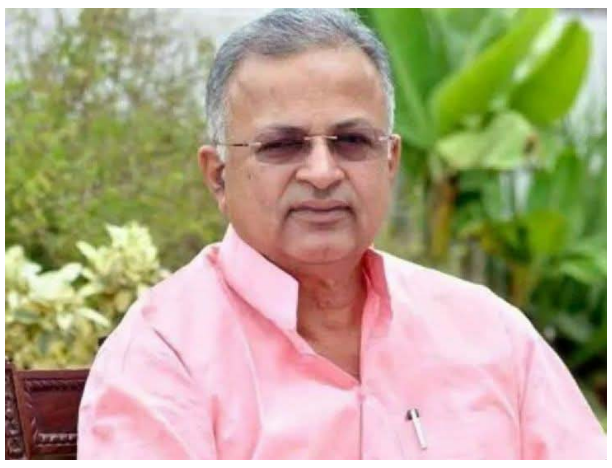

मांगों से उन्हें अवगत कराया था, जिसके बाद विधायक ने शासन का ध्यान इस ओर आकृष्ट किया है।

पत्र में उठाई गई मुख्य मांगें:

बाजार मूल्य पर मुआवजाः अधिग्रहित की जाने वाली भूमि का मुआवजा वर्तमान बाजार दर के आधार पर बिना किसी भेदभाव के दिया जाए।
संपूर्ण परिसंपत्तियों का सही मूल्यांकनः सिंचित व असिंचित भूमि के साथ-साथ मकान, कुआं, ट्यूबवेल, पेड़-पौधे, फसल तथा अन्य स्थायी निर्माणों का सही मूल्यांकन कर भुगतान किया जाए।
पुनर्वास व मूलभूत सुविधाएंः प्रत्येक प्रभावित को सम्मानजनक पुनर्वास स्थल पर सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इसके अलावा विकसित आवासीय/कृषि योग्य भूमि या उसके समकक्ष आर्थिक पैकेज दिया जाए।
रोजगार की व्यवस्थाः प्रभावित परिवार के एक सदस्य को उसकी योग्यता के अनुसार रोजगार प्रदान किया जाए।
पारदर्शिता व निष्पक्ष सुनवाईः जब तक मुआवजा और पुनर्वास का पूर्ण भुगतान न हो जाए, तब तक भूमि का कब्जा न लिया जाए। प्रत्येक प्रभावित किसान की व्यक्तिगत सुनवाई कर उनकी आपत्तियों का विधि-सम्मत समाधान किया जाए तथा भूमि अधिग्रहण की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रखी जाए।
समकक्ष मुआवजाः कब्जेशुदा भूमि व आवासीय मकानों का खातेदारी कृषि भूमि के समकक्ष मुआवजा दिया जाए।

राजनीति की भेंट चढ़ा सड़क के बीचों-बीच खड़ा नीम का पेड़

आदेशों की पालना पर सवाल, हादसे को न्योता दे रहा सड़क में आया पेड़; बड़े हादसे का इंतजार कर रहा प्रशासन?

चमकता राजस्थान

राकेश अग्रवाल संवाददाता/ सवाई माधोपुर। हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र स्थित श्याम वाटिका पानी की टंकी के समीप सड़क निर्माण के दौरान सड़क की सीमा में करीब एक मीटर अंदर तक आ रहा नीम का पेड़ अब राहगीरों और वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। सड़क निर्माण के बाद पेड़ सड़क के बीचों-बीच आ जाने से दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि मामले को लेकर पूर्व में अधिकारियों का ध्यान भी

आकर्षित कराया गया था और पेड़ को हटाने अथवा सड़क निर्माण के दौरान उचित समाधान करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन मौके पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर जिम्मेदार अधिकारी आदेशों की पालना क्यों नहीं करवा पा रहे हैं?

- **अधिकारी मौन, लोगों में नाराजगी**

सड़क के बीच आ रहा पेड़ रात के समय विशेष रूप से दुर्घटना का कारण बन सकता है। इस मार्ग से दोपहिया और चारपहिया वाहन लगातार गुजरते हैं। सड़क की चौड़ाई सीमित होने के कारण वाहन चालकों को पेड़ से बचकर निकलना पड़ता है। ऐसे में थोड़ी सी लापरवाही या सामने से वाहन आने पर गंभीर हादसा हो सकता है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि किसी निर्माण कार्य में सड़क के बीच कोई बाधा आ रही है तो संबंधित विभाग को समय रहते उसका समाधान करना चाहिए। लेकिन यहां सड़क निर्माण पूरा होने के बाद भी समस्या को नजरअंदाज किया जा रहा है।

चौरा में 'हरियालो राजस्थान' के तहत पौधारोपण, विकास कार्यो का किया निरीक्षण

चमकता राजस्थान/सांचौर । सांचौर के निकटवर्ती ग्राम पंचायत चौरा में राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना ?हरियालो राजस्थान? के तहत वृहद पौधारोपण 7 अगस्त को कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान ग्राम पंचायत परिसर, बस स्टैंड चौरा, खेल मैदान सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर पौधे लगाए गए। साथ ही ग्राम पंचायत में निर्माणाधीन विकास कार्यों यात्री प्रतीक्षालय,शौचालय, बस स्टैंड पर सीसीटीवी कैमरे , फॉग लाइट और ठंडे पानी के लिए आर ओ मशीन निरीक्षण किया गया। ग्रामीणों ने पंचायत द्वारा करवाए जा रहे विकास कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर प्रशासक श्री सुनील बिश्नोई, ग्राम विकास अधिकारी श्री पुराराम चौधरी, राणाराम, तुलसाराम, वनाराम, रूडाराम, शंकरलाल, राजुराम, हाजाराम,भारमल गर्ग, नरेश गर्ग, चेनाराम, भरत सहित समस्त वार्डपंच, गणमान्यजन एवं मातृ शक्ति उपस्थित रहीं।

खनन प्रकोष्ठ में जानाराम फिड़ौदा,नवीन चौधरीएवं नरेश भाकल को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिलने पर जताया आभार

चमकता राजस्थान/रिपोर्ट मोहम्मद रफीक नागौर। कांग्रेस संगठन में खनन क्षेत्र से जुड़े कार्यों को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से जानाराम फिड़ौदा को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी खनन विकास एवं उत्थान प्रकोष्ठ का प्रदेश उपाध्यक्ष,नरेश भाकल को प्रदेश महासचिव एवं नवीन कुमार चौधरी को जिलाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर नवनियुक्त पदाधिकारियों ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, खनन विभाग के प्रदेशाध्यक्ष आशीषपाल पदावत एवं नागौर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हनुमानराम बांगड़ा का आभार व्यक्त किया।

नवनियुक्त पदाधिकारियों ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने उन पर जो विश्वास जताते हुए महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है, उसके लिए वे नेतृत्व के आभारी हैं। वे संगठन की मजबूती, कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा खनन क्षेत्र से जुड़े श्रमिकों, व्यवसायियों एवं आमजन की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे।

उन्होंने कहा कि खनन क्षेत्र में पारदर्शिता, नियमों का प्रभावी क्रियान्वयन तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं जनहित से जुड़े विषयों को उचित मंच पर मजबूती से उठाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। साथ ही आगामी समय में संगठन को बूथ एवं जमीनी स्तर तक मजबूत करने के लिए कार्य किया जाएगा।

डॉ. नरेश चारण ने राजीविका जोधपुर के जिला परियोजना प्रबंधक पद का पदभार संभाला

चमकता राजस्थान

चंद्र प्रकाश/जयपुर। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका), जोधपुर की जिला परियोजना प्रबंध इकाई में डॉ. नरेश चारण ने जिला परियोजना प्रबंधक (DPM) के पद पर अपना कार्यग्रहण किया।

पदभार ग्रहण करने के अवसर पर जिला परियोजना प्रबंध इकाई

के स्टाफ सदस्यों – श्री जे0 आर0 भाटी ,(प्रबंधक वित्त) श्री आर.आर. पंवार (जिला प्रबंधक FI), श्री भगवान दास (बीपीएम सेखाला), श्री टिंकू कुशवाह (MIS), श्री सुरेन्द्र सिंह (बीपीएम) सहित समस्त राजीविका टीम द्वारा नए जिला परियोजना प्रबंधक का पुष्पगुच्छ (बुके) भेंट कर भावभीना स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

इस दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नवागत जिला परियोजना प्रबंधक डॉ. नरेश चारण को शुभकामनाएं प्रेषित कीं तथा उनके सफल एवं प्रभावी कार्यकाल की कामना की।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कानेटी में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित

विद्यार्थियों ने पौधे लगाकर ली नियमित देखभाल और पर्यावरण संरक्षण की शपथ

चमकता राजस्थान

लक्ष्मणगढ़ (नरेन्द्र तिलकपुर) । रैणी तहसील के समीपवर्ती ग्राम पंचायत कानेटी में पर्यावरण संरक्षण और हरित वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्थानीय राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कानेटी परिसर में एक दिवसीय पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय प्रांगण में विभिन्न प्रजातियों के छायादार व फलदार पौधे लगाए गए तथा विद्यार्थियों को प्रकृति एवं पर्यावरण के महत्व के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय

की प्रधानाचार्य निर्मला कुमारी मीना ने की। इस अवसर पर उपप्रधानाचार्य शिवदयाल जी मीना एवं हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स के जिला सचिव गोविंद सहाय बैरवा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

छात्रों ने निभाई सक्रिय भूमिका

कार्यक्रम में हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स से जुड़े विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। स्काउट-गाइड सदस्य सुमन, गुंजन, सपना, कोमल, शकुंतला, अनुष्का, नेहा और रुकसार सहित अन्य विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक पौधरोपण किया।

वक्ताओं ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश प्रधानाचार्य श्रीमती निर्मला कुमारी मीना ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पेड़-पौधे हमारे जीवन का मुख्य आधार हैं। केवल पौधे लगाना ही काफी नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल कर उन्हें वटवृक्ष बनाना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। उपप्रधानाचार्य शिवदयाल जी मीना ने छात्रों को प्रकृति से जुड़ने तथा अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण-अनुकूल आदतें अपनाने के लिए प्रेरित किया जिला सचिव गोविंद सहाय बैरवा ने स्काउट विद्यार्थियों के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि स्काउटिंग विद्यार्थियों में सेवा, अनुशासन और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना जागृत करती है। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने रोपे गए पौधों की सुरक्षा व नियमित सिंचाई करने का संकल्प लिया। पूरा कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए रेड आर्मी ब्लड हेल्पलाइन ने जुटाया 156 यूनिट रक्त

चमकता राजस्थान

ब्यावर। रेड आर्मी ब्लड हेल्पलाइन द्वारा थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए ब्यावर सिटी डिस्पेंसरी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं एवं नारी शक्ति ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए 156 यूनिट रक्तदान कर मानव सेवा की मिसाल पेश की।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथि योग गुरु श्रीमती जसमीत कौर सलूजा, जॉली भाई एवं मनीष मेहता द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर योग गुरु जसमीत कौर सलूजा ने स्वयं रक्तदान कर सभी को रक्तदान के लिए प्रेरित किया तथा नियमित रूप से रक्तदान करने का संदेश दिया।

रेड आर्मी ब्लड हेल्पलाइन के जैकी साहू ने बताया कि संस्था

द्वारा समय-समय पर रक्तदान शिविर आयोजित किए जाते हैं। इसी क्रम में यह शिविर नितिन सर के जन्मदिवस के अवसर पर थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को समर्पित किया गया। शिविर में करीब 156 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।

रक्त संग्रहण का कार्य राजकीय अमृतकौर अस्पताल ब्लड बैंक एवं जेएलएन अस्पताल, अजमेर की टीम द्वारा किया गया।

रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया तथा नितिन सर के जन्मदिवस पर इस नेक कार्य के लिए माला एवं साफा पहनाकर शुभकामनाएं दी गईं। शिविर में थैलेसीमिया बच्चे व उनके माता पिता भी रेड आर्मी का उत्साह बढ़ाने आये

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) कार्यकारी संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929